door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

àß-Paà¿er : www.goodluckà¿ublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 09 | गुवाहाटी | सोमवार, 5 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वायनाड में पांच नागरिकों को जिंदा बचाया गया, जीवित लोगों को खोजने ... पेज 2
कोकराझाड़ डोमिनोज के प्रबंधक पर कर्मचारी के खिलाफ नस्लीय ... पेज 3
सोशल मीडिया पर अफवाह, मुलायमवादी को मिला करारा जवाब पेज 5
भारतीय टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया, सेमीफाइनल ... पेज 7

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का बड़ा एलान, कहा–

लव जिहाद मामलों होगी आजीवन कारावास, जल्द लाएंगे कानून

सीएम की अप्रूवल के बिना जमीन खरीद-बिक्री नहीं कर सकते मुस्लीम

बाहरी नहीं होंगे सरकारी नौकरी के हकदार

गुवाहाटी (एजे /हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार लव जिहाद के मामलों में सजा को बढ़ाकर आजीवन कारावास करने के लिए राज्य विधानसभा सत्र में एक नया कानून लाएगी। सीएम शर्मा ने कहा कि हम राज्य विधानसभा में एक नया कानून लाएंगे, जिसमें लव जिहाद की सजा को बढ़ाकर आजीवन कारावास किया जाएगा। एक्स पर कई पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार भूमि जिहाद और लव जिहाद को रोकने के लिए दो कानून ला रही है... अगर कोई मुसलमान हिंदू की संपत्ति खरीदना चाहता है या कोई हिंदू मुसलमान की संपत्ति खरीदना चाहता है, तो उसे सरकार की अनुमति लेनी होगी... साथ ही लव जिहाद करने वालों को आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी...। मालूम हो कि मुख्यमंत्री ने असम पुलिस को *लव जिहाद* के मामलों की जांच के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) विकसित करने का निर्देश दिया था। शर्मा ने दावा किया कि लव जिहाद एक वास्तविक और गंभीर मुद्दा है, जिसमें जबरन धर्म परिवर्तन और धोखे से रोमांटिक संबंध शामिल हैं। शर्मा ने यह भी घोषणा की है कि असम सरकार को हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अंतर-धार्मिक भूमि हस्तांतरण के लिए मुख्यमंत्री की मंजूरी की आवश्यकता होगी। उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण और असम की स्वदेशी आबादी के हितों की रक्षा की आवश्यकता के बारे में भी चिंता व्यक्त की थी। वहीं मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हम चाय बागानों के मजदूरों को चाय बागान कॉलोनी की जमीनों के अधिकार प्रदान करेंगे। हम अगले दो महीनों में सरकारी नौकरियों की भर्ती के लिए अधिवास नीति लाएंगे, जिसमें केवल असम में जन्मे लोगों को ही अनुमति दी जाएगी। बता दें कि सीएम शर्मा ने आज गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित असम राज्य भाजपा कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले तीन वर्षों में उनकी सरकार जाति, माटी और भेटी की रक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन पर सवार होकर जवाहरलाल नेहरू तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। उस समय कांग्रेस को आजादी के तुरंत बाद देश की जनता का समर्थन मिला था। लेकिन प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ अधिनियम में बदलाव की तैयारी, बोर्ड की शक्तियां होंगी कम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही वक्फ अधिनियम में कई बड़े बदलाव कर सकती है। सरकार इसके लिए संसद में अगले हफ्ते एक विधेयक ला सकती है, जिसमें कई संशोधन हो सकते हैं। इसके तहत वक्फ बोर्ड की शक्तियों को कम किया जा सकता है। खबरों के अनुसार, इस विधेयक (मोदी गोवर्नमेंट ऑन वक्फ बोर्ड) के तहत किसी भी संपत्ति को अपनी संपत्ति कहने की इसकी *अनियंत्रित* शक्तियों में कटौती हो सकती है और महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी सुनिश्चित हो सकता है। एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, विधेयक में वक्फ अधिनियम में करीब 40 संशोधन प्रस्तावित किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने यह भी कहा कि विधेयक को शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, विधेयक में अधिनियम की कुछ धाराओं को निरस्त करने का प्रस्ताव है, जिसका मुख्य उद्देश्य वक्फ बोर्डों के पास मौजूद मनमानी -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा और आरएसएस पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता छीनना चाहती है और इसमें हस्तक्षेप करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, जब संसद सत्र चल रहा है, तो केंद्र सरकार संसदीय सर्वोच्चता और विशेषाधिकारों के खिलाफ काम कर रही है और मीडिया को सूचित कर रही है और संसद को सूचित नहीं कर रही है। मैं कह सकता हूं कि इस प्रस्तावित संशोधन के बारे में मीडिया में जो कुछ भी लिखा गया है उससे पता चलता है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता छीनना चाहती है और इसमें दखल देना चाहती है। ओवैसी ने कहा कि यह स्वयं धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध है। दूसरी बात यह है कि भाजपा शुरू से ही इन बोर्डों और वक्फ -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

शाह ने 2029 के लोस चुनावों को लेकर की बड़ी भविष्यवाणी, कहा–

विपक्ष में बैठने को तैयार रहे इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को इंडिया गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। गृह मंत्री ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर बड़ी भविष्यवाणी करते हुए कहा कि उन्हें 2029 में भी विपक्ष में बैठने की तैयारी करनी चाहिए। शाह ने चंडीगढ़ में जल आपूर्ति परियोजना न्याय सेतु का उद्घाटन और स्मार्ट सिटी मिशन की शुरुआत करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना की और कहा कि एनडीए देश में 2029 के लोकसभा चुनावों में फिर से जीत दर्ज करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय ब्लॉक को 2029 में भी विपक्ष में बैठने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। मैं आपको विश्वस दिलाता हूं कि विपक्ष को जो करना है करने दें, 2029 में एनडीए आएगा और मोदी जी आएंगे। वे (विपक्ष) नहीं जानते कि भाजपा ने इस चुनाव में उतनी सीटें जीती हैं जितनी कांग्रेस को तीन चुनावों में मिली थीं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अस्थिरता पैदा करना चाहती है और उन्हें विपक्ष में रहकर काम करने का तरीका सीखना चाहिए। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

30 साल पुराने फर्जी मुठभेड़ मामले में दोषी नहीं मिले सैन्य अधिकारी, परिजनों को मुआवजा देकर केस किया बंद

गुवाहाटी। असम में 30 साल पहले फर्जी मुठभेड़ में पांच युवकों की मौत के मामले में मेजर जनरल, दो कर्नल समेत सात सैन्यकर्मियों को कोर्ट मार्शल अधिकारियों ने समीक्षा के बाद दोषी नहीं माना है। मामले में कोर्ट के आदेश पर युवकों के परिजनों को 20-20 लाख का मुआवजा देकर केस बंद कर दिया गया। इसे मृत युवकों के परिजनों ने अधूरा न्याय करार दिया है। साथ ही मामले की जांच को लेकर सवाल उठाए हैं। परिजनों का कहना है कि सीबीआई ने अपनी जांच में सभी को दोषी माना था। असम के तिनसुकिया जिले में वर्ष 1994 में एक चाय उद्यान प्रबंधक की प्रतिबंधित उग्रवादी समूह अल्फा ने हमले के बाद हत्या कर दी थी। मामले में पंजाब रेजीमेंट के सैन्यकर्मियों की एक टीम ने 17 और 19 फरवरी 1994 को प्रबीन सोनोवाल, अखिल सोनोवाल, देबजीत विश्वस, प्रदीप दत्त और भूपेन मोरन को उनके कार्यालय और घरों से उठाया था। 23 फरवरी 1994 को पांचों के शव स्थानीय पुलिस को सौंपे गए और कहा गया कि युवक मुठभेड़ में मारे गए हैं। मामले में तत्कालीन छात्र नेता जगदीश भुइयां ने 1994 में गौहाटी हाईकोर्ट में याचिका दायर कर मुठभेड़ को फर्जी करार दिया था। उन्होंने कहा था कि युवकों का उग्रवादी समूह -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जैसे ही भय आपके करीब आए, उसपर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।

– अज्ञात

न्यूज गैलरी

भूस्खलन : खाली पड़े घरों में हो रही लूट

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन से तबाह गांवों के निवासियों को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन अब उनको नई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भूस्खलन पीड़ित लोगों अपने घरों में पुलिस को चोरी की सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ाई है। विस्थापित निवासियों -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल में आई बाढ़ के लिए झारखंड जिम्मेदार नहीं : हिमंत

रांची (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में इन दिनों भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी चर्चा की है। खासकर तेनुघाट (बोकारो) से छोड़े जा रहे पानी के कारण बंगाल में बाढ़ की स्थिति बनने की चर्चा की है। इस पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया (एक्स) पर कहा है कि वे दीदी का सम्मान करते हैं लेकिन वे उनकी इस धारणा को स्वीकार नहीं कर सकते कि झारखंड सरकार पश्चिम बंगाल में आई बाढ़ के लिए जिम्मेदार है। दोनों सरकारों को लोगों की कठिनाइयों को कम करने -शेष पृष्ठ दो पर

मंदिर परिसर में गिरी 50 साल पुरानी दीवार, नौ बच्चों की दर्दनाक मौत

राष्ट्रपति ने जताया दुख, पीएम ने की मुआवजे की घोषणा

भोपाल/सागर (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले के शाहपुर कस्बे में में रविवार को भारी बारिश के चलते एक मकान की दीवार गिरने से मलबे में दब कर नौ बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हो गए हैं। जेसीबी से मलबा हटाकर बच्चों को बाहर निकाला गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के उपचार के लिए आर्थिक सहायता का एलान किया है। शाहपुर के हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण और भागवत कथा का -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार : सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। बिहार के मुख्मयंत्री दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है। इसके बाद पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मच गया है। पटना के सचिवालय थाने में इस मामले से संबंध एफआईआर दर्ज हुई है। सूत्रों ने बताया कि अलकायदा ग्रुप के नाम से एक ईमेल मिला है, जिसमें सीएम सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बिहार की एटीएस मामले की जांच कर रही है। पटना के सीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी आतंकी संगठन अलकायदा के नाम से आई है। अलकायदा -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल के दो युवक दो साल से लापता आखिरी बार चीन सीमा पर आए थे नजर

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के दो व्यक्ति भारत-चीन सीमा से लगे राज्य के एक सुदूर स्थान से लगभग दो वर्षों से लापता हैं। अंदेशा है कि दोनों चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की हिरासत में हैं हालांकि उसने अब तक इस बात को स्वीकार नहीं किया है। बटेलुम टिकरो (35) और उनके चचेरे भाई बैंसी मन्यु (37) अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के चगलागाम क्षेत्र से 19 अगस्त 2022 को उस दौरान लापता हो गए थे जब वे सीमा के पास ऊंचाई वाले क्षेत्र में औषधीय जड़ी-बूटियों की तलाश करने गए थे। तब से उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। टिकरो के भाई दिशांसो चिकरो ने बताया कि मुझे पता चला है कि उन्हें चीनी सेना ने हिरासत में लिया है। चिकरो ने कहा कि उन्होंने अपने भाइयों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए कई बार स्थानीय सैन्य अधिकारियों से संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया कि भारतीय सेना ने चीनी सेना के समक्ष यह मुद्दा उठाया था लेकिन अभी तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। अंजॉ के -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, 72 की मौत, पूरे देश में कर्फ्यू

ढाका। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्र आंदोलन संगठन द्वारा घोषित *असहयोग* आंदोलन के पहले दिन रविवार को प्रदर्शनकारियों और सत्तारूढ़ अवामी लीग समर्थकों के बीच हिंसक झड़पों में 72 लोग मारे गए तथा सैकड़ों अन्य घायल हो गए। सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी एक *असहयोग कार्यक्रम* में भाग लेने पहुंचे। अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध किया तथा फिर दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। *प्रोथोम अलो* अखबार ने अपनी खबर में कहा कि बांग्लादेश के 13 जिलों में हुई झड़पों में अब तक 72 लोग मारे जा चुके हैं। गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से देश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया। सरकारी एजेंसियों ने सोशल मीडिया मंच *फेसबुक, मैसेंजर, व्हॉट्सऐप* और *इंस्टाग्राम* को बंद करने का आदेश दिया है। अखबार ने बताया कि मोबाइल प्रदाताओं को 4जी इंटरनेट बंद करने का आदेश दिया गया है। *स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन प्लेटफॉर्म* ने सरकार के इस्तीफे की एक सूत्री मांग के साथ आज से पूर्ण असहयोग आंदोलन का आह्वान किया। इस बीच, प्रधानमंत्री हसीना ने कहा कि विरोध के नाम पर बांग्लादेश में तोड़फोड़ करने वाले लोग छात्र, नहीं बल्कि आतंकवादी हैं और उन्होंने जनता से ऐसे लोगों से सख्ती से निपटने को कहा। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों से अपील करती हूं कि इन आतंकियों से सख्ती से निपटा जाए। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के सूत्रों के हवाले से अखबार ने खबर में बताया कि हसीना ने गणभवन में सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वायनाड में पांच नागरिकों को जिंदा बचाया गया जीवित लोगों को खोजने का ऑपरेशन तेज

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में खोज और बचाव अभियान रविवार को 6वें दिन में प्रवेश कर गया। कुदरत की मार से जमींदोज हुए गांवों में मरने वालों की संख्या 308 हो गई है, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। सेनाओं के सहयोग से भूस्खलन क्षेत्रों में जीवित लोगों को खोजने और मलबे से शवों को निकालने का ऑपरेशन चल रहा है। भारतीय तटरक्षक बल, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के संयुक्त ऑपरेशन में पांच नागरिकों को जिंदा बचाया गया है। साथ ही भूस्खलन की वजह से कटे तमाम क्षेत्रों का संपर्क बहाल कर दिया गया है। वायनाड के चूरलमाला और मुंडक्कई गांव में 30 जुलाई की देर रात लगातार तीन बार भूस्खलन होने से सैकड़ों लोग मलबे में दब गए। वायनाड प्रशासन ने अब तक 308 लोगों के मरने की पुष्टि की है, जबकि अभी भी लापता लोगों की तलाश लगातार की जा रही है। सेना के सर्च ऑपरेशन के लिए 1300 से अधिक बलों को तैनात किया गया है। सेना ने प्रशिक्षित लैब्राडोर जाकी, डिक्सी और सारा की मदद से मलबे में *जिंदगी* की तलाश शुरू की है। सर्च ऑपरेशन के दौरान मिल रहे शव स्थानीय प्रशासन को सौंपे जा रहे हैं। मलबे से उठ रही सड़ांध की वजह से अभी भी शवों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। मलबे से शवों को खोजने के लिए सेना की डॉग यूनिट से और प्रशिक्षित कुत्ते वायनाड भेजने की योजना बनाई जा रही है। भारतीय सेना की राहत टुकड़ियों ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर भूस्खलन के मूल स्थल पुंजरी मातोम के अंतिम सुदूर गांव तक संपर्क बहाल कर दिया है, जिससे जिससे प्रभावित समुदाय को बड़ी राहत मिली है। इसी दौरान सेना के जवानों ने सोचीपारा झरने के पास फंसे दो नागरिकों सलीम और मुहसिन को सुरक्षित निकाला। इन्हें मामूली चोटें आई हैं, जो उन्हें ऊपर चढ़ते समय लगी थीं। चूरलमाला के स्थानीय लोग और स्कूली बच्चे आज मद्रास सैपर्स की उस टुकड़ी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए, जिन्होंने चूरलमाला को मुंडक्कई से जोड़ने वाले इरुवानिपझा नदी पर बेली ब्रिज का निर्माण किया। नागरिकों ने प्रकृति के प्रकोप के बीच उम्मीद जगाने के लिए बचाव दल को धन्यवाद दिया।

बीएसएफ ने किया तस्करी की भैंसों को जब्त

कछार (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश के लिए तस्करी की जा रही चार भैंसें कछार में जब्त किया है। बीएसएफ ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कछार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी की गई भैंसों के खिलाफ चलाए गए एक अभियान के दौरान उन्हें पकड़ा गया। बीएसएफ की 170वीं बटालियन ने काटिगोरा बॉर्डर से भैंसों को जब्त किया। भैंसों को बांग्लादेश भेजने के लिए लाया गया था।

अज्ञात शव बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत ईटाराड़ा में रविवार को लालुंगबस्ती में सड़क किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अभाविप की सदस्यता कार्यशाला नगांव में आयोजित

नगांव (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), नगांव जिले की सदस्यता कार्यशाला आज नगांव शहर के भारती विद्यापीठ में आयोजित की गई। इसी कार्यशाला में आगामी सदस्यता अभियान के पोस्टर जारी किए गए। कार्यक्रम में नगांव जिले के कई शिक्षण संस्थानों के छात्र शामिल हुए। इस अवसर पर अभाविप, असम प्रदेश मीडिया समन्वयक जीतूमणि कलिता, जिला समन्वयक त्रिदीप नाथ, नगांव नगर विस्तारक निशांत नाथ, नगांव जिला सदस्यता प्रमुख दीकिता सैकिया, नगांव जिला सदस्यता अभियान सह-प्रमुख बिटू बोरा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

ट्रक-कार हादसे में ऋषिकेश से आ रहे चार लोगों की मौत

सवाई माधोपुर (हिंस)। जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की बनास नदी पुलिया पर रविवार सुबह हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार चालक सहित पांच लोग बुरी तरह घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा। पुलिस के मुताबिक हादसा रविवार सुबह करीब सात बजे हुआ। हादसे का शिकार लोग कार में सवार होकर ऋषिकेश से वापस घर लौट रहे थे। तभी बनास नदी पुलिया पर ट्रक और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मध्य प्रदेश के बताए जा रहे हैं। कार आगे चल रही थी। तभी पीछे से आ रहा ट्रक बेकाबू होकर कार में घुस गया। हादसे के बाद भी ट्रक चालक करीब एक किलोमीटर तक कार को घसीटता ले गया। इसके बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

बिलासीपाड़ा में तस्करी कर लाई गई चार गायें बरामद

धुबड़ी (हिंस)। बिलासीपाड़ा पुलिस अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र में मवेशियों की तस्करी का गोरखधंधा रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। रविवार को पुलिस ने बताया कि बिलासीपाड़ा थाने की राइडर टीम ने बनियाराड़ा से तस्करी कर लाई गई चार गायों को बरामद किया है। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बरामद गायों को बिलासीपाड़ा थाने में रखा है। पुलिस आरोपियों की जानकारी करने में जुटी है।

सोनापुर में तालाब में नहाने गया युवक डूबा

गुवाहाटी (हिंस)। सोनापुर के सुकुरीपारा में तालाब में स्नान करने गया एक 22 वर्षीय युवक डूब गया। पुलिस ने आज बताया कि युवक समता के मुर्गी का चारा बनाने वाले एक कारखाने का कर्मचारी था। उसके सहकर्मी ने पुलिस को बताया कि वह शराब के नशे में स्नान करने के लिए तालाब में छलांग लगाने के बाद डूब गया। लापता हुए युवक की पहचान बिहार निवासी महादेव मांझी के रूप में हुई है। इसी बीच खेत्री पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक की तलाश शुरू की। अंधेरा होने तक युवक का पता नहीं चल सका था।

No. AESRB/42/2023/584

RECRUITMENT NOTICE
ASSAM ENGINEERING SERVICE RECRUITMENT BOARD
Schedule for Teaching Proficiency Test (TPT)
for recruitment into various vacant posts in the Government Engineering Colleges and Polytechnics of Assam

In continuation of the notice of Assam Engineering Service Recruitment Board (AESRB) vide No. AESRB/042/2023/579 dated 1st August, 2024, this is for the information of all shortlisted candidates that the schedule for Teaching Proficiency Test (TPT) has been published in the official website of AESRB: ***www.aesrb.in***.

The Shortlisted candidates are requested to be present for the Teaching Proficiency Test (TPT) accordingly.

The shortlisted candidates are to attend for the TPT as per the Schedule and Instructions made available, failing which the candidature will stand cancelled.

No further communication will be made in this regard separately.

Sd/-
Secretary
Assam Engineering Service Recruitment Board
Assam Textile Institute Campus, Ambari,Guwahati-01

-- Janasanyog
/D/ 3576/24/5-Aug-24

पृष्ठ एक का शेष

लव जिहाद मामलों ...

मोदी को पूरे देश से जबरदस्त समर्थन मिला और वे लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। कांग्रेस ने 99 सीटें जीतने पर जश्न मनाया है। यह 100 में से नहीं, 542 में से है। 240 बड़ा है या 99। हो सकता है कि पाकिस्तान के गणित में 99 बड़ा हो। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि असम में पुरानी पार्टी (कांग्रेस) ने सिर्फ तीन सीटें जीतीं, वहीं एनडीए ने 11 सीटें जीतीं, लेकिन उन्होंने ऐसा माहौल बनाया जैसे कि उन्होंने एवरेस्ट जीत लिया हो। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में असम के लोगों को अच्छी खबरें मिल रही हैं। कांग्रेस के पास चराइदेउ मैदाम को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देने का अवसर था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चराइदेउ मैदाम को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई है। असम एक नया इतिहास बनाने में सक्षम हुआ है। असम अब अग्रणी राज्य बन गया है। हिमंत विश्व शर्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि 2026 में असम में भाजपा सत्ता में आएगी और इसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा राज्य के लोगों के दिलों में है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जो हमेशा असम के लिए सोचते और करते हैं। पांच विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव होंगे और मुझे उम्मीद है कि हम 5 में से कम से कम 4 सीटें हम जीतेंगे। पिछले 3 वर्षों में हम असम, जाति, माटी और भेटी के विकास के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस के शासन के दौरान, पुलिस विभाग में एक विशेष समुदाय के 30 प्रतिशत लोगों की भर्ती की गई थी। जब हम एक लाख नौकरियों की भर्ती पूरी कर लेंगे तो हम सभी डेटा प्रकाशित करेंगे। असम में केवल आठ लोगों ने सीएए के तहत आवेदन किया है। हम उन नौ लाख लोगों को बायोमेट्रिक्स प्रदान करने का निर्णय लेने जा रहे हैं जिन्हें अभी तक एनआरसी बायोमेट्रिक्स नहीं मिला है। उधर इस सप्ताह की शुरुआत में असम के सीएम शर्मा ने कहा था कि सरकार वीआईपी संस्कृति को समाप्त करेगी और हर सरकारी कार्यक्रम में केवल सात्विक और शाकाहारी भोजन ही परोसा जाएगा। शर्मा ने यह भी कहा कि असम सरकार राज्य के 13 मेडिकल कॉलेजों में नवजात शिशुओं को जन्म प्रमाण पत्र के साथ आधार कार्ड जारी करने के लिए एक पायलट परियोजना शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि नवजात शिशुओं के जन्म के कुछ दिनों के भीतर ही आधार कार्ड जारी कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शुरू में यह परियोजना केवल जिला के मेडिकल कॉलेजों में शुरू की जाएगी। उसके बाद यह योजना पूरे राज्य में लागू की जाएगी, ताकि बच्चों को उनके जन्म के साथ ही आधार कार्ड मिल जाए और उनके परिजनों को इसके लिए कतार में नहीं लगना पड़े। उन्होंने कहा कि असम सरकार गरीबी रेखा के नीचे के युवाओं के लिए विशेष योजना शुरू की है। गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले युवाओं को उद्योग लगाने के लिए दो लाख रुपए देने की योजना शुरू की गई है। इसके लिए पहले चरण में 16 अगस्त से 5 सितंबर तक जिलों में इंटरव्यू लिए जाएंगे और 30 सितंबर तक धनराशि का वितरण किया जाएगा।

वक्फ अधिनियम में ...

शक्तियों को कम करना है।

विधेयक में इन बातों पर ध्यान

- इस कानून के जरिए केंद्र सरकार बोर्ड की निरंकुशता को खत्म करना चाहता है।
- विधेयक के जरिए बोर्ड में अधिक पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य सत्यापन शामिल है। महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए वक्फ बोर्डों की संरचना और कार्यप्रणाली में बदलाव करने के लिए धारा 9 और धारा 14 में संशोधन हो सकता है।
- विवादों को सुलझाने के लिए वक्फ बोर्डों द्वारा दावा की गई संपत्तियों का नए सिरे से सत्यापन किया जाएगा।
- वक्फ संपत्तियों की निगरानी में मजिस्ट्रेट शामिल हो सकते हैं।
- मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने ही की बदलाव की मांग

सूत्रों के अनुसार, मौजूदा कानूनों को बदलने की मांग मुस्लिम बुद्धिजीवियों, महिलाओं और शिया और बोहरा जैसे विभिन्न संप्रदायों की ओर से आई है। देश भर में वक्फ बोर्डों के तहत लगभग 8 लाख 70 हजार संपत्तियां हैं और इन संपत्तियों के अंतर्गत कुल भूमि लगभग 9 लाख 40 हजार एकड़ है। वक्फ अधिनियम 1995 में लागू किया गया था और यह वाकिफ द्वारा वक्फ के रूप में दान की गई और अधिसूचित संपत्तियों को नियंत्रित करता है। वक्फ बोर्ड कई बार ऐसे दावे करता है, जिससे विवाद होता है। उदाहरण के लिए सितंबर 2022 में तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने पूरे थिरुचेंदुरई गांव पर अपना हक होना का दावा किया, जहां सदियों से बहुसंख्यक हिंदू आबादी रहती थी।

भाजपा और आरएसएस...

संपत्तियों के खिलाफ रही है और उनका हिंदुत्व एजेंडा है। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि भाजपा शुरू से ही इन बोर्डों और वक्फ संपत्तियों के खिलाफ रही है और उनका हिंदुत्व एजेंडा है। उन्होंने कहा कि अब अगर आप वक्फ बोर्ड की स्थापना और संरचना में संशोधन करते हैं, तो प्रशासनिक अराजकता होगी, वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता खत्म हो जाएगी और अगर वक्फ बोर्ड पर सरकार का नियंत्रण बढ़ जाएगा तो वक्फ की स्वतंत्रता प्रभावित होगी। मीडिया रिपोर्ट में लिखा है कि अगर कोई विवादित संपत्ति होगी तो ये लोग कहेंगे कि संपत्ति विवादित है, हम उसका सर्वे कराएंगे। सर्वे भाजपा, सीएम कराएंगे और उसका नतीजा क्या होगा, आप जानते हैं। हमारे भारत में ऐसी कई दरगाहें हैं जहां भाजपा-आरएसएस का दावा है कि ये दरगाह और मस्जिद नहीं हैं, इसलिए कार्यपालिका न्यायपालिका की शक्ति छीनने की कोशिश कर रही है। वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा दान कर दिया है और उन्होंने इसे इस्लामी कानून के तहत वक्फ बना दिया है। इसलिए जहां तक वक्फ कानून का सवाल है, यह जरूरी है कि संपत्ति का उपयोग केवल उन धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए जिनके लिए वक्फ किया गया है। और यह कानून है कि एक बार जब कोई संपत्ति वक्फ बन जाती है तो उसे न तो बेचा जा सकता है और न ही हस्तांतरित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जहां तक संपत्तियों के प्रबंधन का सवाल है, हमारे पास पहले से ही वक्फ अधिनियम 1995 है और फिर 2013 में कुछ संशोधन किए गए थे और वर्तमान में, हमें नहीं लगता कि इस वक्फ अधिनियम में किसी भी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता है।

विपक्ष में बैठने ...

कहा कि ये लोग जो अस्थिरता फैलाना चाहते हैं, वे बार-बार कहते हैं कि यह सरकार चलने वाली नहीं है। मैं उन्हें आश्वस्त करने आया हूं कि न केवल सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी, बल्कि अगली सरकार एनडीए की होगी और विपक्ष में बैठने के लिए तैयार होगी तथा विपक्ष में ठीक से काम करने का तरीका सीखेगी। न्याय सेतु परियोजना के महत्व पर बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। पानी बहुत जरूरी है, इसके बिना हम जिंदा नहीं रह सकते। जब पानी साफ नहीं होता है, तो हमें बहुत सारी बीमारियां होती हैं। इस पूरे क्षेत्र के लिए, इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को 24 घंटे फिल्टर-साफ पानी की आपूर्ति की जाएगी। यह समय की कसौटी पर खरा उतरेगा।

30 साल पुराने फर्जी ...

अल्फा से कोई संबंध नहीं था। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि पांचों युवकों की आंखें बाहर निकली थीं। नाखून तोड़ गए थे और घुटने टूटे थे। असली मुठभेड़ में ऐसा संभव नहीं है। उन्होंने युवकों की निर्दोष बताया था। इसके बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई ने 2002 में गुवाहाटी एक अदालत में चार्जशीट दायर की और कहा कि मृतकों के शरीर पर पाई गईं चोटें मुठभेड़ के दौरान नहीं लगी थीं। सीबीआई ने मामले में पांच सैन्यकर्मी तत्कालीन कैप्टन आर के शिवरेन, जेसीओ और एनसीओ दलीप सिंह, पलविंदर सिंह, शिवेंदर सिंह और जगदेव सिंह को जिम्मेदार ठहराते हुए हत्या का मुकदमा चलाने के लिए कहा। इसके बाद छह फरवरी 2002 को सीबीआई ने एक और रिपोर्ट दायर की। इसमें कहा गया कि कर्नल एके लाल ने फर्जी मुठभेड़ की पूरी योजना बनाई और मेजर थॉमस मैथ्यू ने गोली चलाने का आदेश दिया था। इसलिए इन पर भी हत्या का मुकदमा चलाया जाए। सीबीआई ने विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट कामरूप गुवाहाटी से अपील की थी कि आरोपियों पर कोर्ट मार्शल कार्यवाही के लिए सेना अधिकारियों को आरोप पत्र भेजा जाए। इसके बाद 13 अक्तूबर 2018 को दिनजान (डिब्रूगढ़) की एक सैन्य अदालत ने कोर्ट मार्शल की कार्यवाही के दौरान भी सैन्य कर्मियों को पांचों युवकों की हत्या का दोषी माना। 1950 सेना अधिनियम के तहत कोर्ट मार्शल की पुष्टि सक्षम प्राधिकारी द्वारा किए जाने की आवश्यकता थी। इसलिए मामला सेना सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा गया। फिर सेना के अधिकारी ने 5 नवंबर, 2019 को अपने आदेश में संशोधन के लिए मामले को कोर्ट मार्शल अधिकारियों को वापस भेज दिया। संशोधन में कोर्ट मार्शल अधिकारियों ने कुछ और सबूत लिए और एक मार्च, 2020 को सेना के जवानों को दोषी नहीं माना। इस फैसले के खिलाफ असम जातीय परिषद के महासचिव जगदीश भुइयां ने कहा कि प्रारंभिक कोर्ट मार्शल आदेश को कैसे उलट दिया गया और सीबीआई जांच रिपोर्ट को नजरअंदाज कर दिया गया। इसके बाद पीड़ित परिवार हाईकोर्ट पहुंचे। कोर्ट में न्यायाधीश अचिंत्य मल्ल बुजोरबरुआ और रॉबिन फुकन की पीठ ने तीन मार्च 2020 को एक आदेश देकर केंद्र सरकार को पीड़ितों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया। हाल ही में 31 जुलाई को परिजनों के खातों में यह राशि जमा की गई। मामले में जगदीश भुइयां ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ सैन्य अधिकारियों को कम से कम पेंशन में कटौती जैसी कार्रवाई करनी चाहिए थी। पीड़ित प्रदीप दत्त के भाई दीपक दत्त ने बताया कि दुखद है कि आरोपियों को कोई सजा नहीं मिली। प्रदीप की शादी एक महीने से भी कम समय पहले हुई थी जब आधी रात को सोते समय सेना के जवानों ने उसे उठा लिया था। अखिल सोनोवाल की भाभी रूपा सोनोवाल ने कहा कि परिवारों को न्याय नहीं सिर्फ मुआवजा मिला।

प. बंगाल में आई ...

के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हर साल, अरुणाचल और भूटान पहाड़ियों से आने वाला पानी असम में बाढ़ का कारण बनता है। हालांकि, हम अरुणाचल सरकार या रॉयल भूटान सरकार को दोष नहीं देते। क्योंकि, हम समझते हैं कि पानी की कोई सीमा नहीं होती और यह स्वाभाविक रूप से नीचे की ओर बहता है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने एक्स के जरिए कहा है कि तेनुघाट से अचानक भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल में बाढ़ की स्थिति बनी है। यह प्राकृतिक नहीं, मैन मेड संकट है। इस संदर्भ में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उन्होंने बात भी की है। उन्होंने दक्षिण और उत्तर बंगाल के डीएम को बाढ़ की स्थितिपर सजग रहने को कहा है। वे खुद भी इन सारी परिस्थितियों पर नजर रख रही हैं।

मंदिर परिसर में गिरी ...

आयोजन चल रहा है। यहां सुबह से ही लोग शिवलिंग बनाने पहुंच जाते हैं। रविवार की छुट्टी होने के कारण शिवलिंग बनाने के लिए बच्चे भी बड़ी संख्या में आए थे। इसी दौरान रविवार सुबह करीब 10 बजे के लगभग मंदिर में जिस जगह बच्चे बैठकर शिवलिंग बना रहे थे, तभी उससे लगे एक मकान की दीवार अचानक ढह गई। नगर परिषद कर्मचारी, पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू शुरू किया। रहली विधायक और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव भी मौके पर पहुंच गए और हादसे की जानकारी ली। जब तक मलबे से बच्चों को निकाला गया तब तक नौ बच्चों की मौत हो गई। घायल दो बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार हादसे में मरने वाले बच्चों में ध्रुव पुत्र जगदीश यादव (12 वर्ष), नितेश पुत्र कमलेश पटेल (13 वर्ष), आशुतोष पुत्र मान सिंह प्रजापति (15 वर्ष), प्रिंस पुत्र अशोक साहू (12 वर्ष), पर्व पुत्र फूल कुमार विश्वकर्मा (10 वर्ष), दिव्यांश पुत्र निलेश साहू (10 वर्ष), देवराज पुत्र गोविंद साहू (8 वर्ष), वंश पुत्र यशवंत लोधी (10 वर्ष), हेमंत पुत्र भूरे (10 वर्ष) हैं। घायल दो बच्चों में सुमित प्रजापति, खुशबू उर्फ खुशी पटवा हैं। बताया जा रहा है कि जिस मकान की दीवार गिरी है, वह मुलू कुशवाहा का है और करीब 50 साल पुराना है। सागर में लगातार हो रही बारिश की वजह से मंदिर से लगी जमीन की मिट्?टी भी धंस गई थी, जिससे हादसा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से शाहपुर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने जान गंवाने वाले बच्चों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है। घायल बच्चों के उचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज सागर जिले के शाहपुर में हुई अतिवृष्टि के कारण जर्जर मकान की दीवार गिरने से मासूम बच्चों के काल कवलित होने की खबर सुनकर मन व्यथित है। घायल बच्चों के उचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। भगवान से करबद्ध प्रार्थना है कि दिवंगत बच्चों की आत्मा को शांति प्रदान करें। हादसे में घायल अन्य बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। जिन परिवारों ने मासूम बच्चों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मृत बच्चों के परिजनों को शासन की तरफ से चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि सागर, मध्य प्रदेश में एक हृदय विदारक दुर्घटना में अनेक मासूम बच्चों की मृत्यु के समाचार से मन दुखी है। वे प्रार्थना करती हैं कि ईश्वर शोक संतप्त माता-पिता एवं परिवारजनों को यह पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वे घायल हुए बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि दर्दनाक हादसे में कई मासूम बच्चों की मृत्यु अत्यंत पीड़ादायक है। असीम पीड़ा की इस घड़ी में मेरी गहन संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के सागर में मंदिर की दीवार गिरने से हुई बच्चों की मौत पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के सागर में मंदिर की दीवार गिरने से हुई दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। जबकि घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि मध्य प्रदेश के सागर में दीवार गिरने से हुआ हादसा हृदयविदारक है। इसमें जान गंवाने वाले बच्चों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बिहार : सीएम ऑफिस...

के नाम से सीएमओ कार्यालय को एक मेल आया है। एटीएस ने मामले की जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर ली है पटना के सचिवालय थाने में एफआईआर दर्ज हुई है। मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। इससे पहले पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। जिसके बाद इसकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया था। ये धमकी भी ई-मेल के जरिए ही भेजी गई थी। हालांकि उस वक्त ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी और पुलिस-प्रशासन काफी अलर्ट हो गया था। जुलाई में ही पटना के एक घर में बम बनाने का सामान बरामद हुआ था। यहां 35 जिंदा कारतूस, पोटेशियम नाइट्रेट का डिब्बा, ट्री फिल लिक्विड के डिब्बे, लकड़ी का चारकोल, सुतली वगैरह को पकड़ा गया था। इस मामले में पुलिस ने पवन महतो नाम के शख्स को गिरफ्तार किया था। पुलिस इस एंगल से इस मामले की जांच कर रही थी कि इतनी सारी मात्रा में विस्फोटक किस साजिश के तहत घर में लाया गया था। क्या आरोपी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे? गनीमत ये रही थी कि पुलिस ने समय रहते इन लोगों को पकड़ लिया था और एक बड़ी घटना होने से बच गई थी। गौरतलब है कि बिहार पुलिस आज मिली धमकी के मामले में भी गंभीर है और सभी सुरक्षा एजेंसियां इस मामले को गंभीरता से ले रही हैं।

अरुणाचल के दो युवक ...

विधायक और राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री दासंगलू पुल ने पुष्टि की कि दोनों औषधीय जड़ी-बूटियों की तलाश करते समय चीन की सीमा पर लापता हो गए थे। उन्होंने बताया कि चीनी पक्ष ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि अरुणाचल के दोनों युवा उनकी हिरासत में हैं। मुझे बताया गया है कि दोनों जीवित हैं। चिकरो ने दोनों के लापता होने के बाद नौ अक्तूबर 2022 को ह्युलियांग पुलिस थाने में गुमशुदगी की दो शिकायतें दर्ज कराई थीं। चिकरो द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया कि कुछ ग्रामीणों ने उन्हें आखिरी बार 24 अगस्त 2022 को सीमावर्ती क्षेत्रों में देखा लेकिन तब से दोनों के बारे में कुछ सुराग नहीं मिल पाया है। दोनों लापता व्यक्तियों के आधार कार्ड के अनुसार टिकरो दोइलियांग का निवासी है और मन्यु अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के मन्यु चिपरोगाम का निवासी है। टिकरो अविवाहित है जबकि मन्यु विवाहित है और उसके दो छोटे बच्चे हैं। अंजॉ जिला परिषद के अध्यक्ष सोबलम पुल ने कहा कि उन्हें पता चला है कि स्थानीय सैन्य अधिकारियों ने सीमा पर आयोजित हुई *फ्लैग मीटिंग* में चीनी सेना के समक्ष अरुणाचल प्रदेश के दो लापता व्यक्तियों का मुद्दा उठाया था। उन्होंने फोन पर बताया कि मुझे नहीं पता कि फ्लैग मीटिंग में चीनी सेना ने क्या जवाब दिया। दोनों व्यक्तियों के माता-पिता हमसे कुछ कदम उठाने का लगातार आग्रह करते हैं। लेकिन हम असहाय हैं। हमें उम्मीद है कि वे सुरक्षित घर लौट आएंगे। यह पहली बार नहीं है कि अरुणाचल प्रदेश के निवासी सीमा पर लापता हो गए हैं या उन्हें चीन की पीएलए ने हिरासत में लिया है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में ऐसे लोग कुछ दिनों या हफ्तों के बाद घर लौट आते हैं। यह पहली बार है कि लगभग दो वर्षों से लापता दो व्यक्तियों का कोई पता नहीं लगा है।

बांग्लादेश में फिर ...

की बैठक बुलाई। बैठक में सेना, नौसेना, वायुसेना, पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी), बांग्लादेश सीमा गार्ड (बीजीबी) के प्रमुखों और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब देश के कई हिस्सों में हिंसा फिर से फैलती जा रही है। विरोध प्रदर्शन के चलते ढाका की ज्यादा दुकानें और मॉल बंद रहे। सैकड़ों छात्र और कामकाजी लोग ढाका के शाहबाग में एकत्र हो गए हैं, जिससे यातायात जाम हो गया। उधर समाचार पोर्टल *बीडीन्यूज24* की एक खबर के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग की और आरक्षण में सुधार को लेकर हाल में हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। प्रदर्शनकारी असहयोग आंदोलन के पहले दिन राजधानी के साइंस लैब चौराहे पर भी एकत्र हुए और उन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। वहीं समाचारपत्र *डेली स्टार* के अनुसार, रविवार को बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू) में अज्ञात लोगों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। खबर के अनुसार, लाठी-डंडे लिए लोगों को अस्पताल परिसर में निजी कार, एम्बुलेंस, मोटरसाइकिलों और बसों में तोड़फोड़ करते देखा गया, जिससे मरीजों, तीमारदारों, चिकित्सकों और अन्य कर्मियों में भय पैदा हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हसीना के वार्ता के निमंत्रण को खारिज कर दिया और सरकार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के समन्वयकों ने स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और मदरसों के छात्रों के साथ-साथ श्रमिकों, पेशेवरों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं और अन्य आम लोगों से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के समन्वयक नाहिद इस्लाम ने घोषणा की कि वे अपनी एक सूत्री मांग को लेकर सोमवार को प्रदर्शन और सामूहिक धरना देंगे। उन्होंने एक बयान में कहा कि सोमवार को वे आरक्षण सुधार आंदोलन के दौरान हाल ही में देशभर में मारे गए लोगों की याद में शहीद स्मारक पट्टिकाओं का अनावरण करेंगे। बांग्लादेश में हाल में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें देखने को मिली थीं जिसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

भूस्खलन : खाली पड़े ...

को संदेह है कि चोर राज्य के सबसे बड़े मानवीय संकट का फायदा उठाकर कीमती सामान चुरा सकते हैं। कुछ प्रभावित लोगों ने अधिकारियों से चोरी के इरादे से रात में क्षेत्र में प्रवेश करने वालों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने का आग्रह किया है। एक प्रभावित व्यक्ति ने संवाददाताओं से कहा कि हम वे लोग हैं जिन्होंने इस त्रासदी में अपना सब कुछ खो दिया है। भूस्खलन त्रासदी के दौरान अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमने अपना घर छोड़ दिया था। लेकिन जब हम उसके बाद अपने घर की स्थिति की जांच करने के लिए वापस लौटे, तो हमने पाया कि दरवाजे टूटे हुए थे। उन्होंने शिकायत की कि चोरों ने उनके कमरे से कपड़े चुरा लिए। अधिकारियों ने शनिवार शाम एक बयान में कहा कि चूरलमाला और मुंडक्कई समेत आपदा प्रभावित इलाकों में पुलिस गश्त शुरू कर दी गई है। बयान में कहा गया कि बिना अनुमति के रात में प्रभावित इलाकों या पीड़ितों के घरों में प्रवेश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। आगे कहा कि बचाव अभियान के नाम पर या अन्यथा, रात में पुलिस की अनुमति के बिना किसी को भी प्रभावित क्षेत्रों या घरों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। वहीं

कोकराझाड़ डोमिनोज के प्रबंधक पर कर्मचारी के खिलाफ नस्लीय दुर्व्यवहार का आरोप

कोकराझाड़। असम के कोकराझाड़ के कई छात्र संगठनों ने कोकराझाड़ में डोमिनोज आउटलेट के प्रबंधक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिस पर अपने अधीनस्थों के साथ दुर्व्यवहार करने, एक विशेष समुदाय और महिलाओं के खिलाफ नस्लीय गाली और अन्य अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। प्रबंधक के खिलाफ डोमिनोज आउटलेट के एक कर्मचारी द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद उनके कथित व्यवहार और सत्ता के दुरुपयोग का पता चला। एफआईआर में, कर्मचारी ने प्रबंधक पर मौखिक रूप से दुर्व्यवहार करने के साथ-साथ उसके समुदाय के खिलाफ नस्लीय गाली का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। कर्मचारी ने प्रबंधक पर बिना अतिरिक्त भुगतान के उसे ओवरटाइम काम करने के लिए मजबूर करने का भी आरोप लगाया। इस बीच, आरोपों के बाद, ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन, बोड़ो नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (बोनसू) और ऑल असम ट्राइबल एसोसिएशन सहित कोकराझाड़ के 3 छात्र संगठनों ने कोकराझाड़ में जेडी रोड पर स्थित डोमिनोज

आउटलेट के प्रबंधक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मीडिया से बात करते हुए, अब्सू के एक नेता ने प्रबंधक के व्यवहार की निंदा की और कहा कि प्रबंधक ने बोड़ो कर्मचारियों को डांटा और उनके खिलाफ अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने बोड़ो श्रमिकों के खिलाफ कार्रवाई की भी धमकी दी। नेता ने आगे कहा कि प्रबंधक की टिप्पणी न केवल अपमानजनक थी, बल्कि *वह हमारे समुदाय की शांति और एकता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है।* आउटलेट को बंद कर दिया गया है और प्रबंधक को उसके पद से निलंबित कर दिया गया है।

बोकाखात में बर्मीज सुपारी से भरा वाहन जब्त

गोलाघाट (हिंस)। जिले के बोकाखात में बर्मीज सुपारी से भरा एक वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जब्त किया गया है। आज दी गई खबरों के मुताबिक ट्रक पर बर्मीज सुपारी के लगभग 300 बोरे लदे हुए थे। ट्रक (डब्ल्यूबी-65सी-7191) राष्ट्रीय राजमार्ग-37 होते हुए गुवाहाटी जा रहा था, उसे बोकाखात के पानबारी के पास रोका गया। ट्रक का ड्राइवर नवाब इकबाल ट्रक का दरवाजा बंद कर अंदर छिप गया था। बोकाखात पुलिस ने ट्रक के साथ चालक को हिरासत में ले लिया। सुपारी को जब्त कर बोकाखाट थाना लाया गया। इससे पूर्व गुवाहाटी की ओर जा रहे सुपारी से लदे इस ट्रक का अन्य 4-5 लोगों ने चुपके से पीछा किया था। बोकाखात में वाहन को रोकने के लिए मजबूर किया गया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही सभी लोग वहां से चले गए थे।

आरपीएफ ने इस वर्ष अब तक 19.70 करोड़ का प्रतिबंधित सामान किया जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रेनों में प्रतिबंधित सामान ले जाने के खिलाफ पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अभियान चलाकर जुलाई माह के दौरान 1.63 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का तस्करी का सामान बरामद किया। आरपीएफ ने इसकी संलिप्तता में 24 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने रविवार को बताया है कि हाल ही में 30 जुलाई की एक घटना में अगरतला की आरपीएफ टीम ने एक सूचना पर अगरतला रेलवे स्टेशन से दो व्यक्तियों को पकड़ा और उनके पास से 2.80 लाख रुपए का 28 किग्रा गांजा बरामद किया। 2 जुलाई को ट्रेन संख्या 12424 अप (राजधानी एक्सप्रेस) में आरपीएफ ने ट्रेन से तीन व्यक्तियों को पकड़ा और 22 लाख रुपए का 110 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया। उन्होंने बताया कि जनवरी से जुलाई तक पूसीरे की आरपीएफ ने 19.70 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का प्रतिबंधित और तस्करी का सामान जब्त किया और 261 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की। पिछले वर्ष जनवरी से दिसंबर, 2023 के दौरान आरपीएफ ने 25.43 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के प्रतिबंधित और तस्करी के सामान बरामद किया था और 392 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की थी। उल्लेखनीय है कि मादक पदार्थ के तस्करी के खिलाफ आरपीएफ ट्रेनों और यात्री क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों पर निरंतर अभियान चलाती है।

प्रदेश भाजपा की वर्धित कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता की अध्यक्षता में श्रीमंत शंकरदेव इंटरनेशनल ऑडिटोरियम में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। विस्तारित कार्यकारिणी की इस बैठक में पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने, लोगों के बीच पार्टी की विभिन्न नीतियों का प्रसार, जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका आदि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा, भारतीय जनता पार्टी के असम प्रदेश प्रभारी हरीश द्विवेदी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव कामाख्या प्रसाद तासा तथा कई अन्य मंत्री, विधायक, सांसद, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

मोरीगांव में अनोखे मायोंग इंद्रजाल जादू महोत्सव का आयोजन 18 को

गुवाहाटी: असम ने अपने सदियों पुराने जादू, जिसे मायोंग का काला जादू भी कहा जाता है, को प्रदर्शित करने के लिए असम के मोरीगांव जिले में मायोंग इंद्रजाल जादू महोत्सव का आयोजन करके एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। मोरीगांव जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि 18 अगस्त को होने वाले मायोंग इंद्रजाल जादू महोत्सव में जादुई परंपराएं, स्थानीय कलाएं और अद्वितीय सांस्कृतिक तत्व शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य ऐतिहासिक मायोंग-पोबितोरा क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यटन स्थल में बदलना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में एक जीवंत, दिन भर का कार्यक्रम होगा, जिसकी शुरुआत एक भव्य सांस्कृतिक जुलूस से होगी, जिसमें क्षेत्र की जादुई परंपराओं, स्थानीय कलाओं और अद्वितीय सांस्कृतिक तत्वों पर प्रकाश डाला जाएगा। इस उत्सव में *मायोंग का जादू* शीर्षक से एक फोटो प्रदर्शनी भी शामिल होगी, जो क्षेत्र की समृद्ध जादुई विरासत की एक झलक पेश करेगी। मायोंग के स्थानीय जादूगर अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे, उसके बाद प्रसिद्ध जादूगर जादू सम्राट बिक्रम द्वारा एक आकर्षक प्रदर्शन किया जाएगा। शाम का समापन एक समापन समारोह के साथ होगा, जहां मायोंग के सांस्कृतिक और जादुई इतिहास का विवरण देने वाली एक विशेष स्मारक स्मारिका भी जारी की जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि यह उद्घाटन समारोह एक प्रारंभिक चरण की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य के संस्करणों को एक सप्ताह तक चलने वाले उत्सव में विस्तारित करने की योजना है, जिसमें पूरे भारत से जादूगर और संभावित रूप से अंतर्राष्ट्रीय आगंतुक शामिल होंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह महोत्सव अन्य क्षेत्रीय आकर्षणों के

मोरीगांव जिले के डिप्टी कमिश्नर देबाशीष शर्मा आज गुवाहाटी के एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज में आयोजित होने वाले मायोंग इंद्रजाल मैजिक फेस्टिवल के बारे में मीडिया को संबोधित करते हुए। फोटो : दशरथ डेका

साथ-साथ मायोंग और पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य को भी बढ़ावा देगा, जो एक सींग वाले गैंडों की सर्वाधिक संख्या के लिए जाना जाता है। *मायोंग* नाम लोककथाओं में समृद्ध है, माना जाता है कि यह *माया* से लिया गया है, जिसका अर्थ है भ्रम। कभी काले जादू की भूमि के रूप में जाना जाने वाला मायोंग अब सकारात्मक और लाभकारी पहलुओं से जुड़े सफेद जादू को अपना चुका है। आधुनिक प्रगति के बावजूद, मायोंग की जादुई विरासत भारत में एक अद्वितीय और दुर्लभ तत्व बनी हुई है। उन्होंने दोहराया कि मायोंग इंद्रजाल मैजिक फेस्टिवल इस विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में मदद करेगा तथा पर्यटन के लिए एक नया अवसर प्रदान करेगा। इसमें काले और सफेद जादू के साथ-साथ मायोंग में प्रचलित ऐतिहासिक मंत्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। जबकि थुमुरी बान, टेकेली बान और आत्मा बंधनी जैसे मंत्र ऐतिहासिक रूप से प्रचलित थे, महल बंध और उपचार के लिए आधुनिक मंत्र अभी भी उपयोग में हैं। इस महोत्सव में इन पौराणिक मंत्रों और जादुई प्रथाओं को प्रस्तुत किया जाएगा, तथा मायोंग की समृद्ध विरासत को नए प्रकाश में प्रदर्शित किया जाएगा। श्री शर्मा का मानना था कि यह भारत में जादू पर केंद्रित प्रथम पर्यटन उत्सवों में से एक होगा।

अमृत वृक्ष आंदोलन में लगाए गए 90 फीसदी पौधे जीवित हैं : विशेष मुख्य सचिव

शोणितपुर (हिंस)। असम सरकार के विशेष मुख्य सचिव महेंद्र कुमार यादव ने कहा है कि अमृत वृक्ष आंदोलन में पहले चरण में लगाए गए लगाए गए 90 फीसदी पौधे अभी भी जीवित हैं। अमृत वृक्ष आंदोलन के दौरान असम के लोगों ने जिस तरह से वृक्षारोपण किया, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि विधायकों ने अभियान का अवलोकन किया है और अच्छी रिपोर्ट दी है। आज शोणितपुर दिवस के अवसर पर विशेष मुख्य सचिव नाम देउरी गांव के ऐतिहासिक बरपुखुरी में पौधा लगाने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। असम राइफल्स के सहयोग से शोणितपुर में भी यह आंदोलन चल रहा है। तेजपुर की लीची को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष दर्जा मिलने के बाद सेना परिसर में लीची की लगभग 200 विभिन्न प्रजातियां लगाई गईं। तपती गर्मी के बावजूद विशेष मुख्य सचिव और शोणितपुर के डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर देव कुमार मिश्र ने वृक्षारोपण किया।

एकल अभियान पूर्वोत्तर का 7वां महिला सशक्तिकरण केंद्र का उद्घाटन

गुवाहाट। देश के लगभग सभी प्रांतों में एकल अभियान के माध्यम से संस्कारयुक्त शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न सेवा कार्य संचालित किए जा रहे है। गौ आधारित कृषि और कृषि आधारित कुटिर उद्योग, जल-जमीन-जंगल-जानवर की संरक्षण, गांव में रोजगार सृजन कर गांव से पलायन को रोकना, रसायन मुक्त धरती एवं विष मुक्त भोजन, गांव को रहने लायक सुंदर और स्वच्छ बनाना इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा पूर्वोत्तर के वनवासी क्षेत्रों में उन्हें कौशल विकास के लिए कई उपकरण उपलब्ध कराकर ग्रामीण विकास के कई केंद्र स्थापित किए जाते है, जिसमें ग्रामोत्थान संसाधन केंद्र, कंप्यूटर प्रशिक्षण लैब (केंद्र), भ्राम्यमान कंप्यूटर लैब, महिला सशक्तिकरण केंद्र, नगरों में विक्रय केंद्र आदि। इसके सफल रूपायण हेतु किसानों का प्रशिक्षण, युवाओं का प्रशिक्षण और महिलाओं का प्रशिक्षण के लिए विभिन्न सेवा कार्य संपन्न किए जा रहे है। इसी क्रम में दिनांक 3 अगस्त को धेमाजी अंचल के नपाम तीनआलि में पूर्वोत्तर के अंतर्गत 7वां महिला सशक्तिकरण केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में

धेमाजी के जिला विकास प्राधिकरण अध्यक्ष तुलन कुंवर उपस्थित रहकर स्वावलंबन हेतु अपना वक्तव्य प्रदान किया। पूर्वी पूर्वोत्तर के उपाध्यक्ष शरद हांसरिया, शिक्षा प्रभारी प्रिंसिपल शांतिराम बास्तोला, महिला प्रभारी कविता हांसरिया, ग्रामोत्थान प्रभारी उमेश खंडेलिया, वनबंधु परिषद महिला जोनल सचिव सारिका मोदी, सदस्या पद्मा अग्रवाल, केंद्रीय सह आरोग्य प्रमुख कर्ण गौढ़, पूर्वोत्तर ग्रामोत्थान कार्डिनेटर प्रियंका दिहिंगिया, धेमाजी अध्यक्ष पवन जैन, बिमला गोगै, डां.रुबा बोरगोहाई, डां लखी बोरगोहाई उपस्थित रहे। दूसरी ओर आनलाइन वीडियो कांफ्रेंस द्वारा अमेरीका से शिव अग्रवाल और अनुशी अग्रवाल, एकल अभियान केंद्रीय उपाध्क्ष तथा एकल ग्रामोत्थान नोर्थ-ईष्ट जोनल हेड पवन कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी संचालक भाष्कर शर्मा, नीरज चमरीया, रीण भौमिक, पूर्वोत्तर अध्यक्ष अमल बैश्य, सचिव ज्योति प्रसाद सहरिया उपस्थित रहे।

पशुपतिनाथ मंदिर ट्रस्ट ने शुरू की रुद्राभिषेक की तैयारी

गुवाहाटी। गत 21 जुलाई को पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में ट्रस्ट ने 11 अगस्त 2024 को होने वाले द्वादश ज्योतिर्लिंग रुद्राभिषेक के लिए योजनाको अंतिम रूप दीं। इस बैठक की अध्यक्षता श्री माधव दाहाल ने की, जिसमें प्रतिष्ठित सदस्यों और पुरोहितों का योगदान रहा। इस आयोजन के लिए *युवा शक्ति* नामक एक समर्पित टीम का गठन किया गया। समिति में प्रकाश दाहाल, अजय नेवार, सरोज शर्मा, चित्र छेत्री और राहुल शर्मा शामिल हैं। युवा शक्ति के सदस्यों ने स्वयं विभिन्न भूमिकाको स्वयं दायित्व लेते हुए कार्यक्रम सफल बनानेको तयारी कि हैँ। बैठक का समापन सभी हितधारकों के बीच सहयोग की मजबूत अपील के साथ हुआ, जिससे एक भव्य और पवित्र समारोह की नींव रखी गई। इस अनुष्ठान मे 1008 परहंस श्री श्री काली दास महाराज जी उपस्थित रहेंगे इस की जानकारी पशुपति मंदिर ट्रस्टी गोपाल काफले ने दी हे। भव्य और दिव्य आयोजन की तयारी चल रहा है।

जौवकाटा में विशाल नाव खेल प्रतियोगिता

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के सामरिया विधानसभा क्षेत्र के जाओकाटा में काल्ही नदी पर जाओकाटा मार्केट क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय अखिल असम आधारित नौका खेल प्रतियोगिता का आज समापन हो गया। आज की अंतिम नौका दौड़ में दस छोटी और बड़ी नाव टीमों ने भाग लिया। 30,000 से अधिक दर्शकों के जयकारों के बीच आयोजित इस रोमांचक अंतिम बोट मैच में, *दयाल भरोसा* नामक नाव ने पहला स्थान हासिल किया और *राज माता* नामक नाव ने दूसरा स्थान हासिल किया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से हजारों दर्शक मैच का आनंद लेने के लिए मेगा बोटिंग प्रतियोगिता में एकत्र हुए। खेल के अंत में, नाओखेल के शासी निकाय के अध्यक्ष गियासुद्दीन अहमद के निर्देशन में और अध्यक्ष कलीम उद्दीन पुरस्कार वितरण समारोह में महबूब अली उपाध्यक्ष किसान मोर्चा असम प्रदेश कांग्रेस के साथ-साथ मार्केट क्लब के पदाधिकारी और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा का नानी बाई को मयरा में उमड़ी महिलाओं की भीड़

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा द्वारा आयोजित राजस्थानी आध्यात्मिक लोक कथा नानी बाई को मायरो के दूसरे दिन महिला श्रोताओ की भीड़ परशुराम सदन में उमड़ पड़ी। आज के प्रसंग में कथा का मुख्य आकर्षण भगवान श्री कृष्ण द्वारा नानी बाई की बेटी के विवाह में 56 करोड़ का मायरा की जीवंत झांकी रही। व्यास पीठ पर कथा वाचक प्रियांशु चैतन्य ने नानी बाई की बेटी के विवाह का प्रसंग सुनते हुई कहा कि जब नानी बाई अपने ससुराल पक्ष से ताने सुन सुनकर चारों ओर से हताश हो गई तब वो सरोवर के तीर पर चली गई एवं अपने भाग्य को कोसने लगी। जब वह सरोवर भी कुदने की चेष्टा कर रही थी। उस वक्त भगवान कृष्ण ने उसका हाथ पकड़ कर उसे रोक लिया और उसे अपनी धर्म बहन बनाते हुए मायरा का कार्य संपन्न करने का आश्वासन दिया। तब नानी बाई खुशी से अपने घर जाकर खुशियां मनाने लगी। कथा प्रसंग के समय महिला शाखा की सदस्योंओ ने एक ही गणवेश में मायरा की सामग्री को लेकर भगवान कृष्ण और रुक्मणी के साथ सभा स्थल में प्रवेश किया। मंजु पारीक ने श्री कृष्ण को तिलक करके कथावाचक प्रियांशु चैतन्य को चुनडी उढाई। दूसरी तरफ भगवान कृष्ण को भी बबीता सरावगी और

संतोष काबरा ने चुनडी उढाकर मायरा की रस्में नृत्य, गीत और संगीत के बीच संपन्न की गई। आज के कार्यक्रम में मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन दास गाड़ोदिया विशेष रूप से उपस्थित हुये। इस अवसर पर उनके साथ प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा भी उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष का अपने संबोधन से स्वागत किया व शाखा सदस्योंओ ने दुपट्टा व श्री गणेश की मुर्ति देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन मे महिला शाखा की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए शाखा से जुड़ी कुछ खट्टे मीठे संस्मरण अपने संबोधन में बताएं। प्रसिद्ध उद्योगपति रतन शर्मा ने भी आज की कथा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, विश्वनाथ जिला इकाई की विशेष सभा संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिला इकाई प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी सगुणमार्गी रामभक्ति काव्यधारा के लोकप्रिय महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म जयंती के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करने जा रही है जिसका विषय है *रामकथा: गंगा से ब्रह्मपुत्र तक* इस आयोजन को लेकर विश्वनाथ चारिआलि के राष्ट्रीय विद्यालय आमबाड़ी के सभागृह में 4 अगस्तको अपराह्न 3 बजे कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। इसमें मार्गदर्शक के रूप में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी की अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना, तेजपुर विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग की सहायक आचार्या व अकादमी की साहित्य सचिव डॉ. गोमा देवी शर्मा भी उपस्थित रहीं। सर्वप्रथम पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी विश्वनाथ जिलाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आयोजित तथा सचिव संतोष कुमार महतो के द्वारा संचालित सभा में उपस्थित मार्गदर्शक, संरक्षक एवं सदस्यगणों

को स्वागत किया गया। इसके बाद सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा की उद्देश्य व्याख्या करते हुए आगामी 10-11 अगस्त 2024 को संपन्न होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा तथा आय-व्यय की जानकारी दी। उपस्थित अतिथि में डॉ. गोमा देवी शर्मा और रीता सिंह सर्जना आदि ने कहा कि पूहिंसाअ विश्वनाथ इकाई, असम में पहली बार एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है जिसमें महाकवि तुलसीदास जी के जयंती के अवसर पर उपरोक्त विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है? और यह अकादमी के लिए गौरव का विषय है। रीता सिंह ने कहा इस संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में गौहाटी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. दिलीप कुमार मेधी, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहायक आचार्या डॉ. मिलनरानी जमातिया, तेजपुर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. सूर्यकांत त्रिपाठी, डॉ. अनुशब्द, डॉ. गोमा देवी शर्मा, राजीव गांधी विश्वविद्यालय अरुणाचल प्रदेश के सहायक आचार्य डॉ. राजीव रंजन प्रसाद मौजूद रहेंगे। सभा में उपस्थित इकाई के संरक्षक हरिप्रसाद लुईटेल, छत्रसिंह पवार, उपाध्यक्ष जमीर अहमद ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय बहुत सांदर्भिक है, विश्वनाथ में ऐसा कार्यक्रम होना एक गर्व की बात है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हम भरपूर प्रयास करेंगे। अंत में जिला अध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग ले रहे शोधार्थी तथा विशेषज्ञों का हार्दिक स्वागत है और कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए सभी से सहयोग की कामना की। सचिव संतोष कुमार महतो ने उपस्थित अतिथि, संरक्षक, सदस्य सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और सभा समाप्ति की घोषणा की। इस मौके पर सांगठनिक सचिव मनीषा पाल, सदस्या सैयदा आनोवारा खातुन, सदस्य बेददीप उपाध्याय, मंटु बराल, अनुप शर्मा, हृत्तिक शर्मा भी मौजूद थे।

संपादकीय

इतिहास की बेटी मनु

निशानेबाज बिटिया मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में वह कर दिखाया है, जो अभूतपूर्व, अप्रत्याशित, अतुलनीय और अनिर्वचनीय है। एक ही खेल के दो प्रारूपों में लगातार दो कांस्य पदक जीत कर मनु ने कई इतिहास लिख दिए हैं। मनु के साथ सरबजोत सिंह भी मिश्रित खेल की अप्रतिम उपलब्धि के सूत्रधार हैं, लिहाजा देश के बेटे-बेटी को साझा शाबाश... ! मनु 10 मीटर एयर पिस्टल की निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। यह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय गौरव भी मनु के हिस्से आया है कि एक ही ओलंपिक में, एक ही खेल की दो शैलियों में, दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भी प्रथम महिला खिलाड़ी बन गई हैं। देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है। करीब 124 साल पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 के ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे, लेकिन भारत तब गुलाम देश था। मनु और सरबजोत दोनों ही हरियाणा के खिलाड़ी हैं। वे 2019 से मिश्रित निशानेबाजी का साथ-साथ अभ्यास करते रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय और विश्व कप तथा अन्य मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतते रहे हैं। यह सरबजोत ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया, जब उन्होंने इस उपलब्धि की बधाई देने के लिए फोन किया था और मिश्रित टीम के बारे जिज्ञासा प्रकट की थी। सरबजोत ने प्रधानमंत्री के जरिए देश को आश्वस्त किया कि अगली बार वे स्वर्ण पदक जीत कर दिखाएंगे। बेशक यह उनके संघर्ष, जुनून, लक्ष्य, अनथक मेहनत का ही नतीजा है कि दोनों ओलंपिक पदकवीर हैं। यह वाकई असामान्य और अविश्वसनीय उपलब्धि है। हरियाणा तो क्या, देश भर में निशानेबाजी कोई पारंपरिक खेल नहीं है। हरियाणा कुश्ती, कबड्डी, मुक्केबाजी के लिए विख्यात राज्य है, लेकिन निशानेबाजी ने उसे नए मुकुट पहना दिए हैं। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में निशानेबाजी का रजत पदक जीता था। अभिनव बिंद्रा 2008 के बीजिंग ओलंपिक में इसी खेल की भिन्न शैली के चैम्पियन बने। वहीं निशानेबाजी का एकमात्र ओलंपिक स्वर्ण पदक भारत के हिस्से आया था। निशानेबाजी में रजत पदक विजेता विजय कुमार और कांस्य पदकवीर गगन नारंग सरीखे नाम भी अविस्मरणीय हैं, लेकिन दोहरे पदक की सफलता मनु ने ही हासिल की है और बेटी ने इतिहास का नया शिलालेख लिख दिया है। भारत में अब खेल पेशेवर हो गए हैं। अब बड़ी-बड़ी कंपनियां खेलों को प्रायोजित करती हैं और पदकवीर खिलाडियों को नौकरी भी देती हैं। क्रिकेट के आईपीएल मुकाबले पेशेवर खेल के ज्वलंत उदाहरण हैं। 18-20 साल का युवा भी करोड़पति हो सकता है। यह परंपरा वहां से शुरू हुई, जब 1983 में तत्कालीन विश्व चैम्पियन टीम को पराजित कर भारत की टीम विश्व चैम्पियन बनी थी। कप्तान कपिल देव ने ट्रॉफी का वह सम्मान पूरी दुनिया के सामने हासिल किया था। दरअसल वहीं से भारत में खेल के प्रति मानसिकता बदली और आज खिलाडियों की प्रतिष्ठा भी है और एक सफल करियर भी है। मनु की उम्र भी अभी 22 साल है और वह करोड़पति है। वह अपने खेल की विश्व चैम्पियन मानी जाती है। खेल के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की निजी दिलचस्पी भी है। वह खिलाडियों से लगातार संवाद करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते रहते हैं, मुलाकातें करते रहते हैं। उन्होंने देश के कोने-कोने से खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें तराशने वाले अकेले 'खेलो इंडिया कार्यक्रम' के लिए 900 करोड़ रुपए बजट में आवंटित कराए हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए और उस पर लगातार चिंतन-मनन करना चाहिए कि भारतीय खेल की विश्वस्तरीय मंजिल अभी मीलों दूर है। मनु-सरबजोत सरीखी दुर्लभ चांदनियां हैं, जो हमारे खेल को रोशन करती हैं। अभी कई और रोशनियां चमकेंगी।

देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है। करीब 124 साल पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 के ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे, लेकिन भारत तब गुलाम देश था।

राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं

राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुकें तर्क

ललित गर्ग

नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के

छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है?

राहुल गांधी ने बजट पर सरकार को घेरने के लिए महाभारतकालीन घटनाओं का उल्लेख करते हुए यह भी कह डाला कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर लिया गया था, उसी तरह देश को भी मोदी सरकार ने घेर रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री समेत जिन छह लोगों को इस घेराबंदी के लिए जिम्मेदार ठहराया, उसमें अंबानी-अदाणी के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भी शामिल कर लिया। उन्होंने दावा किया है कि भारत पर कब्जा करने वाले चक्रव्यूह के पीछे तीन ताकतें है- पहली एकाधिकार पूंजी का विचार, जिसमें दो लोगों को देश की समूची संपत्ति का मालिक बनने की अनुमति देना। दूसरा देश की संस्थाएं, एजेंसियां, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग हैं एवं तीसरी राजनीतिक कार्यप्रणाली है। इन तीनों ने मिलकर देश को तबाह कर दिया है। इस तरह के बयानों एवं बोलों से स्पष्ट है कि वह मनमाने और बेतुके तर्क देने में संकोच नहीं कर रहे हैं। वह अपनी ऐसी बातों से चर्चा में तो आ जाते हैं और उनके समर्थक उनकी वाह-वाही करने में भी जुट जाते हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह न तो समाज को कोई सही दिशा दे पा रहे हैं और न ही सरकार को कोई सार्थक सुझाव। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, चिन्तनीय है।

राहुल गांधी के रुख-रवैये एवं अतिश्योक्तिपूर्ण तर्कों से यही लगता है कि वह अभी भी चुनावी मुद्रा में हैं। अपनी चुनाव पूर्व की आक्रामकता से वे उपरत नहीं हो पाये हैं। वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। आखिर वह जो कुछ मोदी सरकार से चाह रहे हैं, उसे कांग्रेस संगठन और साथ ही अपने दल द्वारा शासित राज्य सरकारों में क्यों लागू नहीं कर रहे हैं? क्या मोदी सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक रखा है? उन्हें बताना चाहिए कि कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में बजट बनाने में आरक्षित वर्गों के कितने अधिकारियों की हिस्सेदारी होती है? वह मोदी शासन की तरह मीडिया में भी आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी कई बार उठा चुके हैं, लेकिन यह देखने को तैयार नहीं कि आखिर उनके परिवार के प्रभुत्व वाले मीडिया संस्थान में इन वर्गों के कितने लोगों की हिस्सेदारी है?

लोकसभा की कार्रवाई कांग्रेसी एवं विपक्षी सांसदों के वाक आउट, हंगामे, अनर्गल बहस की भेंट चढ़ रही है। विपक्षी अपनी सार्थक भूमिका का निवर्हन करने की बजाय लगातार सत्तापक्ष को घेरने एवं आरोप-प्रत्यारोप की घटिया राजनीति में लगा है। जिससे सरकार को कुछ भी हासिल नहीं हुआ। देश भी इन त्रासद घटनाओं से कुछ हासिल नहीं कर पा रहा है। आखिर सरकार करे, तो क्या करे? उसने हर सत्र के शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकें करके देख ली। दोनों सदनों के अध्यक्ष और उप-सभापति ने बारंबार समझा-समझाकर सहयोग की अपील कर ली। प्रधानमंत्री ने भी बार-बार सदस्यों से सदन को शांतिपूर्वक बहस के जरिये चलने-चलाने की विनम्र अपील कर डाली। बावजूद इसके एनडीए को सत्ता के आरंभ 2014 से अभी तक विपक्ष का सहयोग नहीं मिल पाया है। संसद के सत्रों की ही भांति नीति आयोग की बैठक का भी लगभग सभी विपक्षी दलों ने बहिष्कार कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री आईं जरूर, लेकिन उन्होंने भी यह आरोप लगाकर बाहर का रास्ता नापा कि उनको बोलने नहीं दिया गया, माइक बंद कर दिया गया। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार किया है। क्या देश के मतदाताओं ने भारी संख्या में विपक्ष को इसीलिए भेजा है कि वे उनके हितकारी कार्यों पर संसद में बहस करने के बजाय सब कुछ हंगामे या बहिष्कार की भेंट चढ़ा दें? कब विपक्ष संसद में मतदाताओं की भावनाओं के अनुरूप उनको सौंपी गई जिम्मेदारी के प्रति गंभीर होकर अपनी दायित्वों एवं कर्तव्यों का पालन करते हुए देश-निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका का निर्वाह करेंगे?

नीति आयोग ऐसा कोई मंच नहीं, जिसे दलगत राजनीति का अखाड़ा बनाया जाए। वैसे भी, इस बार तो नीति आयोग की बैठक का एजेंडा देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के उपाय और सुझावों पर केंद्रित था। आखिर इस एजेंडे पर विपक्षी दलों एवं विपक्षी दल के मुख्यमंत्री को राजनीति करने की क्यों सूझी? वे यह ठान चुके हैं कि वे किसी भी, यहां तक की राष्ट्रीय हित के विषय पर भी सरकार के साथ मिलकर चलने को तैयार नहीं। इसकी झलक संसद में तो लगातार मिल रही है, लेकिन नीति आयोग में भी वैसी ही नकारात्मक स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण है।

दृष्टि कोण

छपरी युवाओं और नशेडि़यों से त्रस्त समाज

भारतीय समाज में धार्मिक एवं जातिगत विभाजन की लकीरें तो पहले से ही लंबी हैं, वहीं बाबाओं/गुरुओं के नेटवर्क में फंसे लोग और नशे के जंजाल में उलझी युवा पीढ़ी एवं बढ़ती बेरोजगारी ने सामाजिक ताने-बाने पर गंभीर चुनौतियां पेश कर रखी हैं। संयुक्त राष्ट्र संगठन के अनुसार 15 और 24 वर्ष की आयु के बीच की अवधि युवावस्था है और दुनिया की 18 फीसदी आबादी 'युवा' है। जहां तक भारतीय समाज में छपरी टाइप आवारा नशेड़ी युवाओं का सवाल है तो भारत के वर्तमान सामाजिक, आर्थिक परिदृश्य के दृष्टिगत ऐसा भी नहीं है कि परिस्थितियां बद से बदतर हो रखी हों। हमारे अधिकांश युवाओं ने अपनी मेहनत, उत्तम शैक्षणिक ज्ञान और कौशल से अपने लिए और अपने परिवारों के लिए सुखद आर्थिक हालात निर्मित किए हैं। हां, यह भी सत्य है कि बिगड़े घरेलु माहौल, पारिवारिक एवं आर्थिक हालात के कारण कुछ कम पढ़े लिखे युवा राह भटककर अपने खुद के लिए, अपने परिवारों तथा समाज के लिए असुरक्षा और अराजकता का वातावरण तैयार कर रहे हैं।

अब ये नशेड़ी युवा अपने परिवारों के लिए कोई आर्थिक सहारा तो बनने से रहे, उल्टे आम जनता के घरों की दहलीज पर पहुंचकर सरेआम नशा करते दिख रहे हैं। ताज्जुब वाली बात यह भी है कि स्थानीय नेता, पंचायत प्रधान, पंचायत सदस्यगण और पुलिस इनकी करतूतों से नजरें चुराकर इनकी दहशत को कम करने के लिए कुछ भी करते नजर नहीं आ रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा तमाम तरह की सुविधाएं प्रदान किए जाने के बावजूद हमारे कुछ युवा पथभ्रष्ट होकर खुद से निर्मित बेरोजगारी और नशीले मादक पदार्थों के सेवन में मदमस्त होकर न केवल स्वयं का भविष्य चौपट कर रहे हैं, बल्कि समाज में नकारात्मक वातावरण तैयार कर असुरक्षा एवं अराजकता को भी बढ़ावा दे रहे हैं। हिमाचली समाज में अब अधिकतर घरों में बच्चों के अन्य राज्यों/विदेशों में चले जाने से उनके वृद्ध माता-पिता की सुरक्षा के लिए ऐसे आवारा नशेडि़यों से गंभीर खतरा पैदा हो रखा है और मजे की बात यह है कि इस परिदृश्य में पुलिस सिवाए नेताओं को सुरक्षा प्रदान करने के, आम नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में कहीं भी खड़ी नजर नहीं आती है। युवाओं की बेहतरी प्रत्येक समाज के लिए हमेशा ही चिंता और आशाओं का प्रमुख विषय रहा है। इसी प्रकार परिवार एवं समाज की बेहतरी के लिए युवकों को सशक्त करना किसी भी देश के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। आज बड़ी संख्या में शिक्षित भारतीय युवक खुद को तेजी से बढ़ती उपभोक्ता और भौतिकतावादी संस्कृति के बहाव में बहता हुआ पाते हैं, लेकिन अपनी आर्थिक प्रगति हेतु जी-तोड़ मेहनत भी कर रहे हैं, वहीं ऐसे युवाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है जो बेरोजगारी की वजह से उपेक्षित और तनावग्रस्त हैं। लिहाजा इस बात का ज्यादा जोखिम है कि वे निहित स्वार्थी तत्वों, अपराधियों और नशा तस्करों के चंगुल में फंसा लिए जाएं। अधिकांश मामलों में अनेक स्थानीय युवाओं को अपने गली, मोहल्लों और सुनसान जगहों पर नशे में आवारागर्दी करते देखा जा सकता है। अपनी नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए इनके द्वारा महिलाओं के गहनों के लिए छीना-झपटी और स्थानीय समाज में इनके द्वारा अंजाम दी जाने वाली चोरियों से गांवों/कस्बों के लोगों में असुरक्षा की भावना देखी जा सकती है। वर्तमान समय में हिमाचल के प्रत्येक गांव/कस्बे में बाहरी राज्यों के लोगों की भरमार हो रखी है। पुलिस थानों में इतना पर्याप्त स्टाफ भी नहीं है कि वे इनकी जांच कर सकें और स्थानीय नशेड़ी युवाओं के समूहों पर लगाम लगा पाएं। अफसोस इस बात का भी है कि हमारी सरकारें पिछले 75 वर्षों में वह माहौल ही तैयार नहीं कर पाई हैं जिनसे हमारी युवा पीढ़ी नशे की वजह से नकारा बनने के बजाय आत्मनिर्भर और सुसंस्कृत बन पाती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 जुलाई, 2024, रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में नशामुक्त भारत की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए 'मानस' हेल्पलाइन पर नशे से जुड़ी कोई भी जानकारी साझा करने की अपील की है।

कुछ अलग

उखड़े हुए लोग

बौराये हुए लोग शहरों से उखड़ कर गांवों की ओर, और गांवों में कोई ठिकाना न पाकर फिर शहरों की ओर लौट रहे हैं। बहुत बरस हुए जो पंछी अपने नीड़ छोडक़र विदेशों की ओर उड़े थे, उन्हें तो आज नष्ट नीड़ की कहानी दुहरा कर सुनाई जा रही है। यहां तो घोंसलों का तिनका-तिनका बिखर गया और जिस स्वप्न द्वीप को पा लेने की कल्पना परदेस में की थी, वहां उन्हें आगंतुक अनिमंत्रित करार दे दिया गया। 'चल खुसरो अपने देस' लौटते हुए निराश चेहरे जैसे अपना अंतस टटोल कर कह देना चाहते हैं। लेकिन कहा हैं देस? किसका देस, कहां है ठिकाना? ठिकाने तो जर्जर हो गए, कहीं भी अपने नहीं लगते। नौकरी छिनने और महंगाई बढने की बात न कीजिए। बेकारी और कीमत वृद्धि के जो आंकड़े आपको डरा रहे हैं, वे तो उन दिनों के हैं, जब महामारी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू किया था। फिर आया महामारी काल। न जाने कितने कामागरों की बंधी-बंधाई नौकरियां छूट गईं। गांव से शहर और शहर से गांव के आवागमन में न जाने कितने गृहस्थी उजड़े प्राणी हांफ-हांफ कर दम तोड़ गए। कितने अनियमित छोटे व्यापारियों और फड़ी रेहड़ी वालों का काम धंधा उजड़ा, इसके आंकड़े, हिसाब-किताब या लेखा-जोखा किसी के पास नहीं है। लोकसभा में मंत्री महोदय आंकड़े न होने पर बेबसी दिखा रहे थे। प्रगति सूंचकांक ऐतिहासिक गिरावट दिखाते हुए जैसे अपना सिर पीट रहे थे, लेकिन फिर भी सरकारी कक्ष अपनी टूटी बांसुरी पर मधुर स्वप्न राग छेड़ रहे थे कि देश विकास की मैरॉथन में स्वर्ण पदक जीत लाएगा। कैसे बताएं कि फिसड्डी लोगों के स्वर्ण पदक जीत लेने के सपने हर बरस नपुंसक हो जाते हैं, और गांवों से महानगर, और महानगर से विदेश जा कर अपने लिए स्वप्न महल खड़ा कर लेने का सपना, किसी उजड़े हुए हातिमताई की दास्तां लगने लगता है। गरीब और फटीचर हातिमताई को समझाया जाता है कि यह भुखमरी, यह बेकारी, यह फटीचर जिंदगी महामारी का मुकाबला न कर पाने की असमर्थता से पैदा नहीं हुई, लोग तो यहां सदियों से गरीबी और भुखमरी झेल रहे हैं। यह पिछड़ा हुआ देश पहले से ही मंदीग्रस्त था। मरने और मरने में अंतर होता है। जो भूखा, बेकारी और अर्थिक दुरावस्था की वजह से मरे, वह इतर कारणों से मरे हैं, मसलन हमारे योजनाबद्ध आर्थिक विकास का बंटाधार, देश में दायित्वहीनता की पराकाष्ठा, या अपने देश का दुनिया के दस सबसे महाभ्रष्ट देशों में से एक होना। असली कारणों का गला नापने की जगह आप तो बहाने बनाए जा रहे हैं। नाबालिगों के वाहन चलाने पर अब उनके अभिभावकों को सजा या भारी राशि का चालान हो जाने की घोषणा हो गई। न जाने नियंताओं को कैसे समझ आएगी कि ऐसे चालान योद्धाओं को रसीद विहीन चिरौरी भेंट कर किसी पतली गली से निकल जाइए। लेकिन नहीं आपको तो कानून पर चलना है, सरकार का खाली खज़ाना भरना है। भरिये-भरिये जनाब, देश में चन्द सत्यवादी भी तो होने चाहिएं। लेकिन इन सत्यवादियों को समझा दीजिये कि हर मौत बीमारी से हुई मौत नहीं होती। कोई दिल के दौरे से मरा, कोई भुखमरी से पैदा हुए यकृत की कृपा से। जो जहां मरा है, उसे उसी खाते में डालिए। केवल भूख से मरे लोगों के आंकड़े बढ़ा कर क्यों दहशत पैदा करते हैं? कम से कम इस बात से दिलासा हासिल करें कि अपना देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। आइए, तब तक क्यों न हम देश के विकसित होने का प्रशस्तिगायन करते रहें।

देश दुनीया से

विज्ञान और अध्यात्म

मिथ यह कि विज्ञान परम्परा-भंजक है, अंधविश्वास को तोड़ता है। सच यह है कि विज्ञान परम्परा में जीवित रहता है और उसके अपने अंधविश्वास हैं। मिथ्या अहंकार को इस सत्य से आंख चुराए रखने का हठ है कि विज्ञान के अपने अंधविश्वास होते हैं। समाज में प्रचलित अन्य किसी भी कोटि के अंधविश्वास, किन्हीं अनुभवों पर आधारित होने से शायद उतने खतरनाक न भी हों, जितने अवांछित परिणाम लाने वाले विज्ञान के अंधविश्वास हो सकते हैं, क्योंकि वे तथ्यों से निकले होते हैं। विज्ञान तथ्यपरक है, यही कारण है कि विज्ञान के अंधविश्वास ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। विज्ञान और तकनीक को लेकर एक बहुत बड़ा अंधविश्वास यह है कि वह एक क्रांति है। वह परम्परा-भंजक है, जबकि सत्य इसके एकदम विपरीत है।

कोई मंदिर में इसलिए जाता है कि वहां भगवान है तो उसकी मर्जी। गहरे में देखें तो वह इसलिए जा रहा है कि उसके अंदर कोई खोज है। इसी तरह शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में भी हम अपने अंदर की किसी खोज पूरी कर पाने की आशा लेकर जाते हैं, जहां विज्ञानसम्मत दृष्टिकोण को प्रधानता दी जाती है। समझना यह है कि विज्ञान की उपयोगिता तक तो ठीक, मगर उसे अहंकार का आधार बनाएं या नहीं? अहंकार का आधार विज्ञान को लेकर जो मिथ है, उसमें है। मिथ यह कि विज्ञान परम्परा-भंजक है, अंधविश्वास को तोड़ता है। सच यह है कि विज्ञान परम्परा में जीवित रहता है और उसके अपने अंधविश्वास हैं। मिथ्या अहंकार को इस सत्य से आंख चुराए रखने का हठ है कि विज्ञान के अपने अंधविश्वास होते हैं। समाज में प्रचलित अन्य किसी भी कोटि के अंधविश्वास, किन्हीं अनुभवों पर आधारित होने से शायद उतने खतरनाक न भी हों, जितने अवांछित परिणाम लाने वाले विज्ञान के अंधविश्वास हो सकते हैं, क्योंकि वे तथ्यों से निकले होते हैं। विज्ञान तथ्यपरक है, यही कारण है कि विज्ञान के अंधविश्वास ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। विज्ञान और तकनीक को लेकर एक बहुत बड़ा अंधविश्वास यह है कि वह एक क्रांति है। वह परम्परा-भंजक है, जबकि सत्य इसके एकदम विपरीत है। सच तो यह है कि विज्ञान की एक परम्परा होती है। एक लंबी परम्परा के बिना विज्ञान चल ही नहीं सकता। हर नया वैज्ञानिक दरअसल अपने से पहले वाले वैज्ञानिक के कन्धों पर पांव टिकाकर खड़ा होता है। वैज्ञानिक का काम इतना चुनौती भरा है कि आगे बढने के लिए उसे पहले की कोई खोज चाहिए, चाहे वह अकस्मात जान लिया गया कोई प्राकृतिक रहस्य ही हो।

ध्यान से देखें तो आर्किमिडीज, पायथागोरस, गैलीलियो, न्यूटन से लेकर आइन्स्टाइन तक विज्ञान के हर क्षेत्र की एक परम्परा है। बीच की एक भी कड़ी निकाल दीजिए, सब ताश के पत्तों से बनी मीनार की तरह भरभरा कर ढह जाएंगे। इसका यह अर्थ नहीं है कि विज्ञान निंदनीय अथवा त्याज्य है। विज्ञान और उस पर आधारित तकनीक उपयोगी हैं। चांद पर जाना हो और कोई कहे मैं तो अपनी घोड़ा-बग्घी या बैलगाड़ी में ही जाऊंगा तो नहीं चलेगा। यहां विज्ञान और उसका बनाया यान ही उपयोगी है। बग्घी से ध्यान आया, सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी के इंग्लैण्ड में, अमेरिका में भी, 'स्टेजकोच' या 'स्टेजवैगन' नाम की बग्घियां चला करती थीं। ये आम तौर पर चार घोड़ों से चलती थीं और लम्बे सफर में काम में लाई जाती थीं। इनमें पैसा देकर यात्रा की जाती थी। बीच-बीच में 'स्टेज-स्टेशन' भी हुआ करते थे जहां रुककर 'कोच' के घोड़े बदलकर ताजादम घोड़े जोते जाते थे। जब स्टीम इंजन वाली गाड़ी आई तो 'स्टैंडर्ड गेज' की जो रेल-पटरियां बिछायी गयीं, वे 'स्टेजकोच' के दोनों तरफ वाले पहियों की दूरी पर थीं! इस परम्परा को निभाने के बाद जरूरत के अनुसार ब्रॉड गेज, मीटर गेज या नैरो गेज की पटरी बिछाने की नयी परम्परा डालना कहां मुश्किल था? दुनिया भर में ट्रेन का आज तक चला आ रहा रेलवे गेज 'स्टेजकोच' की परम्परा में है! वैगन और कोच जैसी संज्ञायें तो खैर इस परम्परा की हैं ही। यह जानना भी दिलचस्प होगा कि जेम्ज वाट ने जो स्टीम इंजन बनाया था वह टॉमस न्यूकमेन नाम के इंजीनियर द्वारा पहले बनाए गए स्टीम इंजन की परम्परा में था। यह विज्ञान का अपना अंधविश्वास है कि वह परम्परा-भंजक है। दरअसल विज्ञान एक परम्परा है। मनुष्य की अन्तश्चेतना और विज्ञान की बाह्य-दृष्टि में अन्दर-बाहर का यह जो अन्तर है, वह विज्ञान को उसके अपने अन्धविश्वासों में धकेलने का काम करता है। सोचिए कैसे? एक ऐसे व्यक्ति की कल्पना कीजिये जो रात के अंधेरे में चला जा रहा है। रास्ते के रोड़ों-रुकावटों से टकराते-जूझते धीरे-धीरे उसका आगे बढना ही उसकी विकास यात्रा है। लेकिन विज्ञान की दुनिया में इसे विकास कहना इसलिए उसका अंधविश्वास है कि यात्रा को मंजिल मान लेना भूल है। अभी हम यात्रा में हैं, पहुंचे नहीं हैं। आखिर आंख बन्द करके विश्वास कर लेने को ही अन्धविश्वास कहते हैं। इसी भूल के चलते विज्ञान के निष्कर्ष कुछ वर्षों के भीतर बदल जाते हैं।

अंधेरे की इसी यात्रा को न्यूटन ने विशाल सागर के किनारे कंकड़ बीनना कहा था। थॉमस एडिसन ने भी स्वीकार किया था कि हम एक प्रतिशत का दस लाखवां हिस्सा भी नहीं जानते हैं। अंधेरे में चल रहा व्यक्ति अपनी टॉर्च की रोशनी डालता है और सामने सडक़ के गहरे गड्ढे का तथ्य उसके हाथ लग जाता है। टॉर्च ने निस्सन्देह गड्ढे से बचने में उसकी मदद की। थोड़ा आगे जाने पर टॉर्च की बीम ने जो दिखाया उससे तथ्य बदल गया। अब गड्ढा नहीं, एक बड़ी चट्टान रास्ते की रुकावट है। टॉर्च की मदद से वह चट्टान से टकराने और चोट खाने से भी बच गया। उसके आगे की यात्रा कभी रास्ते पर भरे पानी की सूचना लाती है तो कभी ऐसे खतरनाक मोड़ की जहां से गहरी खाई में गिरने का भय था। हर कदम परिवर्तित स्थिति और तदनुसार नए निष्कर्ष में ले जाने का काम करता है। विज्ञान और तकनीक की यही नियति है।

आप का नजरीया

सैलानी संतुष्टि सूचकांक

पर्यटन अगर महज आंकड़ों का खेल है, तो हिमाचल की बुलंदी का सर्टिफिकेट काफी प्रभावशाली है। आधे साल की शुमारी में एक करोड़ पर्यटक किसी भी सूरत इसलिए भी कम नहीं, क्योंकि गोवा में 2023 के पूरे साल का आंकड़ा इससे कहीं आधे पर टिकता है, जबकि राजस्थान में इस दौरान बेशक 18 करोड़ घरेलू व 17 लाख विदेशी सैलानी पहुंचे। पर्यटकों की बढ़ती शुमारी के अनुभव पूरी होटल इंडस्ट्री गिन रही है, फिर भी कुछ आवश्यक पहलू हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पर्यटकों के ये आंकड़े तमाम मंदिरों की परिक्रमा, अटल टनल के दोनों छोरों पर और फोरलेन जैसी सडक़ परियोजनाओं की रफ्तार की कहानी हैं, लेकिन प्रसन्नता यह है कि अब सरकार इसकी केंद्रीय भूमिका में आ रही है। वर्तमान संदर्भ में सुक्खू सरकार ने अपने कार्यकाल में पर्यटक तादाद को पांच करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। जाहिर है इसके पीछे जो सोच रही है, उसके तहत नए निवेश, नई अधोसंरचना, नई व्यवस्था और पर्यटक राज्य की तस्वीर बनाने की महत्त्वाकांक्षा होगी। कांगड़ा को पर्यटक राजधानी बनाने का एक महत्त्वाकांक्षी शीर्षासन, एयरपोर्ट विस्तार को लेकर चल रही कार्रवाई है और अगर इस परिप्रेक्ष्य में सरकार की साधना पूरी हो गई, तो यह परियोजना सारे हिमाचल का युग बदल सकती है। युग बदलने की परिकल्पना में कितना पर्यटन और कैसे पर्यटन पर स्थिति स्पष्ट चाहिए। मसलन पांच करोड़ पर्यटक अगर हर दिन और हर क्षेत्र के हिसाब से गिने जाएं, तो योजनाओं का प्रारूप कालाअंब, जसूर, गगरेट और मैहतपुर से शुरू होगा, वरना मंदिरों में आते हर श्रद्धालु और पर्यटक सीजन की भीड़ में अंधाधुंध विस्तार के मायने अलग होंगे। हमें पांच करोड़ पर्यटकों को बुलाना नहीं, बल्कि उन्हें संतुष्ट करके वापस भेजना है। अभी तक हमारे पर्यटन की छवि कश्मीर घाटी के बिगड़े मिजाज, देवी दर्शन, अटल टनल के दर्शन, गर्मियों में हिल स्टेशन, ट्रैकिंग, सप्ताहांत भ्रमण और पड़ोसी राज्यों से एक ट्रिप मात्र है। चंडीगढ़ से कसौली या शिमला अब एक दिन की भागमभाग बनता जा रहा है, तो धार्मिक लंगरों में पर्यटन का यात्रा वृतांत महज संख्या बढ़ा रहा है। पर्यटन में गुणवत्ता लाने के लिए हमें एक 'संतुष्टि इंडेक्स' विकसित करना होगा। पर्यटक सीजन की धूल और तमाम गतिविधियों के बीच घूमने-फिरने वालों को अगर गंतव्य स्थलों की स्वच्छता सताएगी, तो बढ़े हुए आंकड़े भी बेमानी होंगे। पांच करोड़ पर्यटकों के लायक संतोषजनक अधोसंरचना, कनेक्टिविटी और मनोरंजन के साधन पुष्ट करने होंगे। सबसे पहले मंदिर दर्शन को दक्षिण भारतीय मंदिरों की तर्ज पर व्यवस्थित तथा आरामदायक बनाना होगा। पांच करोड़ पर्यटकों में अगर हम दस फीसदी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के ले आए, तो मंजिलें बदल जाएंगी, लेकिन इनके लिए कसोल या धर्मकोट नहीं, ट्राइबल, धरोहर, साहसिक व विरासत पर्यटन की तरफ रुख मोडऩा होगा। सुजानपुर, पुराना कांगड़ा, शिमला व मसरूर जैसे स्थलों पर संगीत समारोह, जबकि अनेक स्थानों पर लाइट एंड साउंड कार्यक्रमों की श्रृंखला बनानी पड़ेगी।

सोशल मीडिया पर अफवाह, *मुलायमवादी* को मिला करारा जवाब

लिखा था कि मुस्लिम न आ सकें इसलिए गोरखनाथ मंदिर में होता है जनता दर्शन

गोरखपुर (हिंस)। अपने बॉयो में समाजवादी, सेकुलर और मुलायमवादी बताने वाले सूर्या समाजवादी नामक के एक्स वेरिफाइड हैंडल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन को लेकर की गई तथ्यहीन और पूर्णत: गलत पोस्ट पर आम एक्स यूजर्स ने करारा जवाब दिया है। इन एक्स यूजर्स ने न सिर्फ सही तथ्यों को साझा कर गलत पोस्ट करने वाले को आईना दिखाया बल्कि कई ने यूपी पुलिस से भ्रामक पोस्ट करने वाले कथित समाजवादी-मुलायमवादी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग तक कर डाली। रविवार सुबह 9 बजकर 18 मिनट पर सूर्या समाजवादी के हैंडल से एक्स पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन के वीडियो पोस्ट कर लिखा गया कि सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में इसलिए जनता दर्शन करते है ताकि मुस्लिम न आ सके? इस वीडियो में मुझे एक भी मुस्लिम महिला नहीं दिख रही है, ये संविधान के खिलाफ है। जनता दर्शन मंदिर या मस्जिद में नहीं होना चाहिए, हाईकोर्ट संज्ञान ले। इस पोस्ट से उसे उम्मीद रही होगी कि उसे बड़े पैमाने पर सपोर्ट मिलेगा पर सच्चाई से कोई वास्ता न रखने वाली इस टिप्पणी पर उक्त एक्स हैंडलर बुरी तरह ट्रोल हो गया। इस पोस्ट से इतर हकीकत यह है कि सीएम योगी के जनता दर्शन में मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, खासकर मुस्लिम महिलाएं। उन सभी की समस्या की मुख्यमंत्री न केवल बिना भेदभाव सुनवाई करते हैं, बल्कि समाधान भी कराते हैं। कई बार तो जनता दर्शन में मुस्लिम समाज के लोग समस्या समाधान होने के बाद मुख्यमंत्री का आभार जताने पहुंचते हैं। यह सिलसिला योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने से पहले, उनके संसदीय कार्यकाल से ही जारी है। यही नहीं गोरखनाथ मंदिर परिसर में दुकानदारों और भ्रमण के लिए आने वाले लोगों में भी मुस्लिम समाज की भारी भागीदारी रहती है। गोरखनाथ मंदिर के बारे में तनिक भी जानकारी रखने वाले इस सच्चाई को जानते हैं। सूर्या समाजवादी के एक्स हैंडल से आए इस झूठे पोस्ट पर आम एक्स यूजर्स की तरफ से बेहद तीखी प्रतिक्रिया आई। कई यूजर्स ने जनता दर्शन की उन तस्वीरों को पोस्ट कर आईना दिखाया, जिसमें बड़ी संख्या में बुर्काधारी मुस्लिम महिलाएं सीएम योगी से मिलकर अपनी समस्या बता रही हैं। ऐसी ही एक तस्वीर पोस्ट करते हुए वरुण राज सिंह नाम के एक्स यूजर ने लिखा कि फेक न्यूज फैलाने और सरकार को बदनाम करने की कोशिश पर यूपी पुलिस को संज्ञान लेनी चाहिए। अंशुल, नवोदित, रितेश माहेश्वरी, सागर खंडेलवाल समेत अनेक एक्स यूजर्स ने भी यूपी पुलिस को टैग करते हुए लिखा कि गलत पोस्ट करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। ब्लू टिकधारी राजेश यादव ने लिखा कि किसी की आलोचना करनी है, वैचारिक विरोध करना है तो तथ्यों के साथ कर। फिर अगर किसी ने कार्यवाही कर दी तो चिल्लाओगे ना की जुल्म हो रहा है। एक अन्य ब्लू टिकधारी प्रवीण सिंह ने एक न्यूज चैनल की पुरानी स्टोरी शेयर करते हुए लिखा कि अगर मुस्लिम मंदिर में आ नहीं सकते, तो गोरखनाथ मंदिर में निर्माण कार्य प्रबंधक और कैशियर मोहम्मद यासीन कैसे हैं वो भी पिछले 40 साल से। समाजवादी लंपटो तुम्हारी झूठ बोलने की प्रवृत्ति कब जाएगी? जनता दर्शन में हर जाति-समुदाय के लोगों का आना, सीएम से मिलकर अपनी समस्या बताना और उनका समाधान हासिल करना आम बात है। अभी पिछले 22 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब गोरखपुर में थे तो गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में उनसे मिलकर समस्या बताने वालों में अच्छी खासी संख्या मुस्लिम महिलाओं की भी थी। तब सीएम से मिलकर फरियादी सुनाती बुर्काधारी मुस्लिम महिलाओं की फोटो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी। यह फोटो एक्स और फेसबुक पर भी खूब पोस्ट हुए थे। इसी तरह 12 जुलाई को लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास (5, केडी मार्ग) पर हुए जनता दर्शन कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं ने मुख्यमंत्री से मिलकर समस्या बताई थी और समाधान हासिल करने की तरफ बड़ी थीं।

घर के पास ही गड्ढे में नहाने उतरे भाई-बहन समेत तीन बच्चों की मौत

बाड़मेर (हिंस)। बालोतरा जसोल थाना क्षेत्र में बुडिवाड़ा गांव में शनिवार शाम घर के पास बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मासूम भाई-बहन समेत तीन बच्चों की मौत हो गई। तलाश करते हुए परिजनों को चप्पल देखकर शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। जेसीबी की मदद से तीनों बच्चों के शव को बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना के बाद गांव में कोहराम मच गया। जसोल थाना अधिकारी चंद्र सिंह ने बताया कि बारिश बंद होने के बाद शाम करीब पांच बजे देवाराम (11) पुत्र वोताराम भील अपनी बहन पवनी (5)और भट्टाराम (8) पुत्र मुकेश भील के साथ घर के बाहर खेल रहा था। इस दौरान घर से 600 मीटर दूर निकल गए। जहां बारिश से भरे गड्ढे में नहाने के लिए उतर गए। गहराई ज्यादा होने से तीनों पानी में डूब गए। शाम करीब सात बजे तक बच्चों के नहीं दिखने पर परिजनों ने आसपास पूछताछ की। इसके बाद भी कोई पता नहीं चलने पर तलाश शुरू की गई। खेतों में और गांव में कही भी बच्चों नहीं मिले। रात करीब 11 बजे गड्ढे के पास चप्पलों को देखकर शक हुआ। परिजन और ग्रामीण ने गड्ढे में उतर कर बच्चों का ढूंढ़ने का प्रयास किया। लेकिन गहराई और फिसलन होने की वजह से वापस निकल आए। अंधेरा होने की वजह से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना प ?ा। मौके पर जेसीबी को मौके पर बुलाया गया। करीब 11.30 बजे साइड में गड्ढा खोदना शुरू किया ताकि पानी कम हो सके। पानी कम होने के बाद लोगों द्वारा तीनों बच्चों को 12 बजे तीनों बच्चों को बाहर निकाल लिया गया। लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। थानाधिकारी चंद्रसिंह ने बताया कि बच्चों को गड्ढे से बाहर निकालने के बाद करीब 12.30 बजे घटना की जानकारी दी गई। सूचना के बाद मौके पहुंचे। निजी वाहनों से तीनों को बालोतरा हॉस्पिटल में ले जाया गया। जहां मृत घोषित करने के बाद शवों को मोर्चरी में रखवाया गया। रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

पूर्व कांग्रेस सरकार योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी तरह से फेल रही : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी तरह से फेल रही। चाहे जल जीवन मिशन हो या फिर हर घर बिजली पहुंचाने का विषय रहा हो, सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में कांग्रेस सरकार पूरी तरह से नाकाम रही। केंद्रीय मंत्री रविवार को जोधपुर के सर्किट हाउस में आमजन की समस्याएं सुनने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। शेखावत ने दो टूक कहा, कांग्रेस सरकार ने पांच साल के दौरान केवल वादे ही किए, लेकिन जनता से जुड़ीं समस्याओं के निस्तारण के लिए धरातल पर कोई काम नहीं किया। सड़क, बिजली और चिकित्सा से जुड़ी समस्याएं बढ़ती रहीं। उन्होंने कहा, कांग्रेस की इन्हीं नाकामियों की वजह से प्रदेश की जनता ने भाजपा को मौका दिया है और जनता को इस डबल इंजन की सरकार से अपेक्षाएं हैं। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। राहुल गांधी द्वारा ईडी की छपेमारी से संबंधित ट्वीट पर शेखावत ने कहा, सवाल सिर्फ राहुल गांधी का नहीं है, लेकिन मैं सिर्फ एक ही बात कहूंगा *चोर की दाढ़ी में तिनका* । केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की व्यवस्था के तहत छात्रसंघ चुनाव जरूरी हैं। मैं उसी मार्ग से आता हूं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लेकर रविंद्र सिंह भाटी तक से लेकर एक पूरी लंबी श्रृंखला है। उन्होंने कहा, कितने ऐसे लोग हैं, जिन्होंने इस पाठशाला से सीख करके लोकतंत्र की इस व्यवस्था में अपनी भागीदारी निभाई है, इसलिए राजस्थान सरकार व मुख्यमंत्री से मेरा आग्रह रहेगा कि निश्चित ही छात्र संघ चुनाव समय पर कराए जाने चाहिए, वहीं, छात्रों को भी व्यवस्था के सुचारू संचालन में सहयोग करना चाहिए, जिससे छात्रसंघ चुनाव समय पर होते रहें। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने कहा, जनता की समस्याओं के निस्तारण के संबंध अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

आम आदमी पार्टी नेता सत्यनारायण अंतिल ने भाजपा का दामन थामा

सोनीपत (हिंस)। राई विधान सभा से आम आदमी पार्टी के नेता सत्यनारायण अंतिल ने रविवार को आम आदमी पार्टी को अलविदा कर भाजपा का दामन थाम लिया। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का विकास करवाना है। राई हल्के से आम आदमी पार्टी के नेता सत्यनारायण अंतिल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के नेतृत्व में बीजेपी पार्टी को ज्वाइन किया। इस दौरान राई विधायक मोहनलाल बड़ौली ने आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा ज्वाइन करने पर उनका स्वागत किया और कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान सम्मान मिलेगा।

पीड़िता के घर पहुंचा भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

अयोध्या (हिंस)। थाना पूराकलंदर के भदरसा में सामूहिक बलात्कार की शिकार नाबालिग लड़की के परिजनों से मिलने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश के मंत्री नरेंद्र कश्यप, भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूराम निषाद और स्थानीय भाजपा नेता शामिल थे। तीन सदस्यीय भाजपा डेलिगेशन के सदस्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि यह जो जघन्य अपराध है, वह अमानवीय है, समाज को शर्मिंदा करने वाला है। हम सबको शर्मिंदा करने वाला है, हम इसकी निंदा करते हैं, समाजवादी पार्टी के बड़े नेता अखिलेश यादव नारको टेस्ट और डीएनए की मांग कर रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि समाजवादी लोग पीड़िता परिवार के साथ नहीं हैं। अपराधियों के साथ हैं, समाजवादियों ने आखिर अपने रूप को दिखा ही दिया है। देश-प्रदेश की जनता देख रही है कि पीड़ति परिवार को हमने इतना इनश्योर किया है एक भी अपराधी बचेगा नहीं, योगी की सरकार अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर दम लेगी और समाजवादियों को जवाब देना पड़ेगा। अपराधियों की हर अवैध संपत्ति की जांच होगी। जो अवैध संपत्ति होगी, वह सरकार अपने कब्जे में लेगी। एक भी अपराधी को अवैध संपत्ति पर कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। डेलिगेशन की दूसरी सदस्य संगीता बलवंत ने कहा कि हमारी सरकार का यह विचार है कि पीड़ति किसी भी जाति का हो, किसी भी धर्म का हो, उसे न्याय मिलना चाहिए। कितना ही रसूखदार हो, उसे सजा मिलनी चाहिए। सीएम योगी ने इस घटना पर कार्रवाई की है, समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव जो इस दुनिया में नहीं हैं, भी कह गए हैं कि लड़के हैं, गलती हो जाती है। अखालेशइस पार्टी के अब दूसरे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं जो डीएनए टेस्ट की मांग कर रहे हैं, यह अत्यंत शर्मनाक है। 12 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता चार बहन है, जिसमें ये सबसे छोटी है। पिता की दो साल पहले मौत हो चुकी है। घर का खर्च मां और बहनों द्वारा मजदूरी से मिले पैसे से चलता है। आरोप है कि लगभग ढाई महीने पहले बच्ची खेत से मजदूरी कर वापस आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में उसको राजू मिला। राजू ने बच्ची से कहा कि बेकरी मालिक मोईद खान उसे बुला रहा है। आरोप है कि मोईद ने उसके साथ दुष्कर्म किया और राजू ने इसका वीडियो बना लिया। राजू ने भी बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। लंबे समय तक मोईद और राजू वीडियो से ब्लैकमेल करके बच्ची के साथ दुष्कर्म करते रहे। बच्ची जब 2 महीने की गर्भवती हो गई तब मामला खुला। बच्ची के परिजनों ने पुलिस से इस मामले की शिकायत की, लेकिन शुरुआत में कोई एक्शन नहीं लिया गया। बाद में जब हिंदू संगठनों के साथ निषाद पार्टी के लोगों ने आक्रोश जताया तो पुलिस ने सपा के भदरसा नगर अध्यक्ष मोईद खान और उसकी बेकरी पर काम करने वाले राजू को गिरफ्तार किया।

कार्मिक कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री भजनलाल

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज के सभी वर्गों के उत्थान से ही विकसित राजस्थान का सपना साकार हो सकता है। इसलिए राज्य सरकार ने राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 में उनके सुझावों को शामिल करते हुए प्रावधान किए हैं। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवार के हितों के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कर्मचारी हमारे समाज के गौरव हैं, जो अपने जीवन का अधिकांश समय राज्य की सेवा में समर्पित करते हैं। कर्मचारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण से राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स अपने परिवारों के साथ समाज के लिए भी प्रेरणा स्रोत हैं। पेंशनर्स का अनुभव और ज्ञान राज्य के विकास के लिए अमूल्य संपत्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इस बजट में कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कल्याण के लिए वेतन विसंगति संबंधी सुधार, अधिकतम ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि, पेंशन वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनसे कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 75 वर्ष से अधिक आयु पर बड़ी हुई दर से पेंशन की सुविधा प्राप्त है। अब हमने 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए भी 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की है। साथ ही, केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 के अनुरूप 1 अप्रैल, 2024 के बाद कार्मिक की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर 10 वर्षों तक बड़ी हुई दर से पारिवारिक पेंशन मिलेगी। शर्मा ने कहा कि 30 जून, 2023 को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पेंशन गणना के लिए 1 जुलाई, 2023 से एक काल्पनिक वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाएगा तथा भविष्य में प्रतिवर्ष 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी यह लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि घोषणाएं समय पर पूर्ण होने से ही संबंधित वर्ग को उसका लाभ मिलता है। इसीलिए हमारी सरकार ने कर्मचारी हित में बिना विलंब किए कुछ ही महीनों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया स्पीकर हैल्प डेस्क का शुभारंभ

जयपुर (हिंस)। अजमेर संभाग के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में अब डॉक्टरों की जानकारी के लिए मरीज और परिजनों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। विधानसभा अध्यक्ष हैल्प डेस्क पर मरीजों को एक ही जगह समस्त जानकारी मिल जाएगी। आपातकालीन इकाई के पास इस हैल्प डेस्क की स्थापना की गई है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अस्पताल में स्पीकर हैल्प डेस्क का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि लंबे समय से अस्पताल में यह जानकारी मिल रही थी कि सही जानकारी के अभाव में मरीज व उनके परिजनों को यहां-वहां भटकना पड़ता है। उन्हें बीमारी बताने के बाद भी सही डॉक्टर, विभाग, कमरा नंबर, दवा केंद्र, जांच केंद्र, ऑपरेशन थियेटर, ओपीडी व इंडोर पेशेंट से संबंधित जानकारी नहीं मिल पाती है। उनका काफी समय खराब हो जाता है। देवनानी ने बताया कि मरीज और उनके परिजनों की सुविधा के लिए अस्पताल की आपातकालीन इकाई के पास अधीक्षक कक्ष से पहले हैल्प डेस्क की स्थापना की गई है। यहां 24 घंटे तीन पारियों में स्टाफ तैनात रहेगा। कोई भी मरीज या उनका परिजन आकर यहां चिकित्सा से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी ले सकता है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया, अधीक्षक डॉ. अरविन्द खरे व अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर एनएचएम कर्मियों ने नागरिक अस्पताल से लेकर विधायक आवास तक किया प्रदर्शन

जींद (हिंस)। स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत लगे कर्मियों की हड़ताल रविवार को दसवें दिन में प्रवेश कर गई। एनएचएम कर्मियों ने नागरिक अस्पताल से लेकर विधायक आवास तक प्रदर्शन किया और मांगों को लेकर विधायक प्रतिनिधि राजन चिल्लाना को ज्ञापन सौंपा। स्वास्थ्य विभाग से मांगों पर सहमति न बनने के रोष स्वरूप एनएचएम कर्मियों ने अपनी हड़ताल को लगातार जारी रखने का निर्णय लिया हुआ है। प्रदर्शन से पहले कर्मियों ने सीएमओ कार्यालय के सामने धरना दिया और सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। धरने का संचालन प्रदेश महामंत्री जितेंद्र वत्स, जिलाध्यक्ष गौरव सहगल ने किया। एनएचएम कर्मियों की हड़ताल के चलते लेबर रूम, नर्सरी, केएमसी यूनिट, रैफरल ट्रांसपोर्ट, मैंटल हैल्थ, स्कूल हैल्थ (आरबीएसके) व आरकेएसके, एनसीडी, एनआरसी, टीबी विभाग, आयुष विभाग, एनएचएम कार्यालय, पीपी सेंटर, सभी सीएचओ व रिपोटिंग के कार्य बाधित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि एनएचएम कर्मचारियों को पक्का किया जाए। सांतवें वेतनमान का लाभ दिया जाए तथा सर्विस रूल के साथ कोई छेड़छाड़ न की जाए। एनएचएम कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए। एलटीसी, ग्रेजुटी व एक्सग्रेशिया का लाभ दिया जाए। एनएचएम कर्मचारियों को सेवा अनुसार ईएल, स्टडी लीव, टयुशन फीस का लाभ दिया जाए। आयुषमान भारत योजना के तहत सीएचओ कैडर की एसओपी को लागू किया जाए तथा साथ ही बॉड प्रथा को समाप्त किया जाए। एनएचएम कर्मचारियों को एचआर की एवज में नियमानुसार स्वास्थ्य विभाग में क्वॉटर अलॉट किया जाए। एनएचएम कर्मचारियों को ट्रांसफर सुविधा दी जाए जोकि कुछ समय पहले ली गई है। वर्ष 2017 से 2024 तक कर्मचारियों द्वारा दी गई हड़ताल अवधि का वेतन प्रदान किया जाए व समय अवधि को सेवा अवधि में गणना की जाए।

प्रदेश में आने वाला कल कांग्रेस का : बृजेंद्र सिंह

जींद (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में आने वाला कल कांग्रेस है। इस बार कांग्रेस, बीजेपी के बीच मुकाबला होगा। जो क्षेत्रीय दल है या कोई गठबंधन प्रदेश में बन रहे हैं वो मुकाबले में नजर नहीं आएंगे। प्रचंड बहुत से कांग्रेस सत्ता में आएगी। लोकसभा चुनाव के परिणाम इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश से भाजपा सत्ता से जा रही है कांग्रेस सत्ता में आ रही है। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह रविवार को मंगलपुर, सुरबरा गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि उचाना हलके के गांवों में निरंतर कांग्रेस का कुनबा बढ़ रहा है। आज भाजपा सत्ता हाथ से जाती देख तरह-तरह की घोषणाएं करने में लगी है लेकिन अब कोई फायदा नहीं। जब लोगों को रोजगार की जरूरत थी तो नौकरियों से युवाओं को वंचित रखा गया। पोर्टल बना कर हर वर्ग को परेशान कर दिया। पीपीपी को ठीक करवाने के लिए लोग आज भी चक्कर पर चक्कर कार्यालयों के काट रहे है। अब प्रदेश का मतदाता बदलाव का मन बना चुका है। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि जजपा के पल्ले इस बार कुछ नहीं है। लोकसभा चुनाव में सभी उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई तो उचाना हलके से मात्र 4200 वोट उनकी पार्टी को मिले।

कांग्रेस की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं उद्धव ठाकरे : नित्यानंद राय

पटना (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उद्धव ठाकरे की टिप्पणी का जवाब केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने दिया है। रविवार को पटना पहुंचे केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि अमित शाह उन सभी के दुश्मन हैं जो देश के दुश्मन हैं। उद्धव ठाकरे कांग्रेस की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं और लगातार हिंदुओं को पीड़ा पहुंचाकर बाला साहेब ठाकरे की आत्मा को चोट पहुंचा रहे हैं। बीते तीन अगस्त को पुणे में एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला था। उद्धव ठाकरे ने अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली का राजनीतिक वंशज बताया था। आज से मैं अमित शाह को अब्दाली ही बोलूंगा। अगर आप मुझे नकली संतान बोलेगे तो मैं तुम्हें अब्दाली बोलूंगा। उद्धव ठाकरे के इस बयान को लेकर भाजपा हमलावर है।

जींद: हरियाली अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

जींद (हिंस)। रविवार को हरियाली अमावस्या पर पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर पितृ तर्पण किया और सुखद भविष्य की कामना की। अमावस्या को देखते हुए तीर्थ पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर शनिवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। इस दौरान धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। रविवार अल सुबह ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है।

भाजपा सरकार ने षड़्यंत्र रचकर भेजा अरविंद केजरीवाल को जेल : सुनीता केजरीवाल

फरीदाबाद (हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी एवं आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती सुनीता केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार ने षडयंत्र रचते हुए उनके निर्दोष पति को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया, उनका गुनाह सिर्फ इतना था कि वह गरीब लोगों के हितों के लिए कार्य कर रहे है, उन्हें अच्छी शिक्षा और बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे थे। उन्होंने उपस्थितजनों से आह्वान किया कि जनविरोधी भाजपा सरकार को आने वाले चुनावों में वोट की चोट से जवाब देने का काम करे और हरियाणा में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने का काम करे। श्रीमती सुनीता केजरीवाल रविवार को सेक्टर-16 ओल्ड फरीदाबाद की नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितजनों को संबोधित कर रही थी। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डा सुशील गुप्ता, संगठन मंत्री पंडित राजेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी आदि आप नेताओं ने फरीदाबाद में पहुंचने पर उनका फूल मालाओं से तथा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गारंटी पत्थर की लकीर है, जो गारंटियां उन्होंने दिल्ली में दी वह पूरी की और पंजाब में भी पांच गारंटियां पूरी करके दिखाई, अब हरियाणा की बारी है, अगर हरियाणा के लोग कांग्रेस-भाजपा जैसी जनविरोधी पाटियों से पीछा छुड़ाना चाहते है तो केजरीवाल को मौका दे और आम आदमी पार्टी को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोगों का शोषण किया है, उन्हें वोटबैंक के रुप में इस्तेमाल करके केवल महंगाई और भ्रष्टाचार की सौगात दी है, लेकिन अब समय आ गया है, जब लोगों का इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ने के लिए लामबंद होना होगा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल की पांच गारंटियों का जिक्र करते हुए कहा कि चौबीस घंटे मुफ्त बिजली, मुफ्त और बेहतर इलाज, विश्व स्तरीय शिक्षा, महिलाओं को एक हजार रूपए सम्मान राशि तथा युवाओं को रोजगार यह सब आम आदमी पार्टी हरियाणा में सरकार बनने पर लागू करेगी। इस मौके पर संगठन मंत्री पंडित राजेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी व प्रदेश प्रवक्ता राकेश भड़ाना ने सुनीता केजरीवाल को विश्वास दिलाया कि फरीदाबाद में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तत्परता से चुनावों की तैयारियों में जुटे है और प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी जी जान से मेहनत करके प्रदेश में आप की सरकार बनाने में जुटा हुआ है।

भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दर पर फैसले, वैश्विक बाजारों के रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली। इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर लिए गए फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक बाजारों के रुख से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख पर भी रहेगी।

बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सेवा क्षेत्र के एचएसबीसी पीएमआई आंकड़ों की घोषणा सोमवार को होगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह सभी की नजरें वैश्विक बाजारों पर रहेगी। लंबे समय की स्थिरता के बाद अब बाजार में कमजोरी का कुछ

कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा रुपये के रुख पर भी रहेगी बाजार की नजर

संकेत दिखने लगा है। इससे भारतीय बाजार की मजबूती की परख होगी, जो तरलता की बेहतर स्थिति की वजह से अभी तक जुझारू बना हुआ है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर आठ अगस्त को आने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण रहेगी। पहली तिमाही के नतीजों के आखिरी दौर से बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा संस्थागत प्रवाह भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, बीईएमएल, ओएनजीसी, एनएचपीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम और एमआरएफ जैसी बड़ी कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते हैं कि आगे चलकर ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ कमजोरी आ सकती है। इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक से ब्याज दरों के परिदृश्य पर कुछ संकेत मिलेगा। फिलहाल केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति बरकरार रख सकता है।

न्यूज ब्रीफ

एफपीआई ने जुलाई में शेयरों में किया 32,365 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय शेयर बाजारों में 32,365 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह जानकारी डिपॉजिटरी के आंकड़ों से मिली है। हालांकि, इस महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों 1-2 अगस्त को एफपीआई ने शेयरों से 1,027 करोड़ रुपये निकाले हैं। बजट में इक्विटी निवेश पर पूंजीगत लाभ कर बढ़ने की घोषणा के बाद से एफपीआई प्रवाह में मिला-जुला रुख देखा गया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बाजारों से जुड़े घटनाक्रम अगस्त में एफपीआई की गतिविधियों का रुख तय करेंगे। अर्थव्यवस्था में सुस्ती तथा कमजोर रोजगार के आंकड़ों के बाद यह निश्चित है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में शेयरों में 32,365 करोड़ रुपये डाले हैं। इससे पहले जून में राजनीतिक स्थिरता और बाजारों में तेज उछाल के बीच एफपीआई ने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई ने चुनाव नतीजों को लेकर असमंजस के बीच मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में उन्होंने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। उन्होंने कहा कि एफपीआई का प्रवाह बढ़ने की वजह सरकार द्वारा बुनियादी ढांचा विकास पर ध्यान देना, उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजे और सतत आर्थिक वृद्धि है।

वॉरेट बफेट की बर्कशायर हैथवे ने एप्पल में अपनी आधी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। वॉरेन बफेट की बर्कशायर हैथवे ने एप्पल में अपनी बड़ी हिस्सेदारी का लगभग आधा हिस्सा बेच दिया है। ओमाहा की इस कंपनी ने खुलासा किया कि दूसरी तिमाही के अंत में एप्पल में उसकी होल्डिंग की कीमत 84.2 बिलियन डॉलर थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि ओमाहा के ओरेकल ने अपने तकनीकी निवेश का 49.4 फीसदी हिस्सा बेच दिया है। बफेट ने पहली तिमाही में एप्पल में अपनी हिस्सेदारी को 13 फीसदी घटा दिया था और मई में बर्कशायर की वार्षिक बैठक में संकेत दिया कि ऐसा उन्होंने टैक्स कारणों से किया। बफेट ने उल्लेख किया कि इस साल थोड़ा एप्पल बेचने से बर्कशायर के शेयरधारकों को लंबे समय तक फायदा होगा यदि अमेरिकी सरकार भविष्य में पूंजीगत लाभ पर टैक्स बढ़ाती है तो बढ़ते वित्तीय घाटे को पूरा किया जा सकता है। बर्कशायर ने 2016 में बफेट के निवेश लेफ्टिनेंट टेड वेस्चलर और टॉड कॉम्ब्स के प्रभाव में एप्पल के स्टॉक खरीदने शुरू किए थे। वर्षों के दौरान बफेट एप्पल से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने हिस्सेदारी को काफी बढ़ा दिया ताकि यह बर्कशायर का सबसे बड़ा निवेश बन सके।

अदाणी एनर्जी के क्यूआईपी में तीन सबसे बड़े शेयर खरीदार

नई दिल्ली। अदाणी समूह की बिजली पारेषण इकाई के एक अरब डॉलर के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की एक इकाई, एसबीआई म्यूचुअल फंड तथा विदेशी निवेश कोष नोमुरा और सिटीग्रुप सबसे ज्यादा शेयर खरीदने वालों में से हैं। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) का 8,373.10 करोड़ रुपये का क्यूआईपी पिछले सप्ताह बंद हुआ था। इसमें 120 से अधिक निवेशकों ने बिजली पारेषण, वितरण और स्मार्ट मीटरिंग कारोबार कंपनी के शेयरों के लिए बोलियां लगाईं। अरबपति स्टेनली ड्रकेनमिलर के परिवारिक कार्यालय के नेतृत्व वाली निवेश फर्में उन कंपनियों में शामिल हैं जिन्होंने क्यूआईपी में एईएसएल के शेयरों के लिए बोली लगाई है। एईएसएल ने नियामकीय सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पात्र संस्थागत खरीदारों को 976 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 8.57 करोड़ से अधिक शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी है, जो 1,027 रुपये के न्यूनतम मूल्य पर 51.11 रुपये की छूट है। पांच प्रतिशत से अधिक शेयर पाने वाले आवंटियों का विवरण देते हुए इसमें कहा गया है कि क्यूआईए की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी आईएनक्यू होल्डिंग्स एलएलसी ने 15 प्रतिशत शेयर हासिल किए हैं। सिटी ग्रुप के दो मॉरीशस कोषों ने 8.88 प्रतिशत शेयर खरीदे, जबकि चार एसबीआई कोषों एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड, एसबीआई लार्ज एंड मिडकैप फंड, एसबीआई लॉन्ग टर्म एडवांटेज फंड सीरीज-चार और एसबीआई मैग्नम चिल्ड्रेन्स बेनिफिट फंड ने मिलकर 7.93 प्रतिशत शेयर हासिल किए।

विश्व के उद्योगपतियों की आय-व्यय और उनकी संपत्तियां पर एक नजर

जेफ बेजोस ने एक दिन में गंवाए 15.2 अरब डॉलर, अडानी भी पीछे

गौतम अदाणी की संपत्ति भी 1.34 बिलियन डॉलर घटकर 110 बिलियन डॉलर हो गई

नई दिल्ली। एमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ने एक दिन में 15.2 अरब डॉलर की संपत्ति गंवा दी। यानी कि जेफ बेजोस को सिर्फ एक दिन में 1,256,510,265,000 रुपये का नुकसान हुआ है। बता दें कि बेजोस एलन मस्क के बाद दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति हैं। जेफ बेजोस के साथ ही साथ अन्य अरबपतियों की संपत्ति भी जबरदस्त गिरी।

ब्लूमबर्ग के आंकड़ों को देखा जाए तो लगातार टॉप 22 अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट आई है। इंडेक्स में बताया गया कि दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों की संपत्ति से 134 बिलियन डॉलर (13,400 करोड़ डॉलर) का नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि शुक्रवार को अमेरिका में बेरोजगारी दर का साप्ताहिक आंकड़ा कमजोर आने के बाद भारत समेत दुनियाभर के बाजारों को गिरावट का सामना करना पड़ा था। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक 100 इंडेक्स 2.4 फीसदी गिर गया था। इस दौरान एमेजान के शेयरों में भी 8.8 सदी की गिरावट आई, जिससे जेफ बेजोस की संपत्ति 15.2 बिलियन डॉलर यानी 1,520 करोड़ डॉलर घटकर 191.5 बिलियन डॉलर हो गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट ने बताया कि जेफ बेजोस इस साल लगातार एमेजान के शेयर बेच रहे हैं। उन्होंने फरवरी में नौ ट्रेडिंग दिनों में लगभग 8.5 बिलियन डॉलर के शेयर बेचे थे।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, यह बेजोस का एक दिन में तीसरा सबसे बड़ा नुकसान है। इससे पहले केवल 4 अप्रैल 2019 को उनकी नेटवर्थ में मैकेंजी बेजोस के साथ तलाक के निपटान के बाद 36 बिलियन डॉलर की गिरावट आई थी। उस समय तलाक के निपटान के रूप में मैकेंजी ने जेफ बेजोस की करीब 25 फीसदी हिस्सेदारी अपने नाम ली थी और फिर 29 अप्रैल, 2022 को एमेजान के शेयर 14 फीसदी की गिरकर 124.28 अरब डॉलर पर पहुंच गए थे, उस दिन जेफ बेजोस को दूसरी बार सबसे ज्यादा नुकसान हुआ था।

निवेशक इस साल ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से ज्यादा मुनाफा या बाजार के बहुत ज्यादा कंसंट्रेट हो जाने से घबरा गए हैं। एमेजान में गिरावट अप्रैल 2022 के बाद से सबसे बड़ी गिरावट है। यह तब देखने को मिली, जब कंपनी के एक अर्निंग कॉल में यह कहने कहा गया कि वह एआई पर बड़ा खर्च जारी रखेगी, भले ही शॉर्ट टर्म में यानी थोड़े समय के लिए उसके मुनाफे पर असर पड़े। इस दौरान दुनिया के चौथे सबसे अमीर उगद्योगपति और मेटा के फाउंडर मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ 3.39 बिलियन डॉलर घटकर 174 बिलियन डॉलर हो गई तो वहीं पांचवे सबसे अमीर उद्योगपति और माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स की नेटवर्थ 1.95 बिलियन डॉलर घटकर 155 बिलियन डॉलर हो गई। एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति और ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स में 11वें नंबर के दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी को इस दौरान 1.20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और उनकी नेटवर्थ घटकर 113 बिलियन डॉलर हो गई। रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी के तुरंत बाद 12वें सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी की संपत्ति भी 1.34 बिलियन डॉलर घटकर 110 बिलियन डॉलर हो गई।

शेयर बाजार

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.29 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 1,28,913.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 37,971.83 करोड़ रुपये घटकर 15,49,626.88 करोड़ रुपये पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान टीसीएस को ही हुआ। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 23,811.88 करोड़ रुपये घटकर 7,56,250.47 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 16,619.51 करोड़ रुपये घटकर 6,11,423.11 करोड़ रुपये, एसबीआई की 13,431.54 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 7,56,717.85 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 13,125.49 करोड़ रुपये घटकर 20,28,695.57 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 11,821.5 करोड़ घटकर 8,50,389.88 करोड़ रुपये,

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रहीं

आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 7,843.75 करोड़ रुपये घटकर 8,42,176.78 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,288 करोड़ रुपये घटकर 6,32,862.41 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,759.37 करोड़ रुपये बढ़कर 12,63,601.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी का मूल्यांकन 1,075.25 करोड़ रुपये बढ़कर 7,47,677.98 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एफआईपी की उड़ान ड्यूटी के संशोधित मानदंड लागू करने की मांग

मुंबई। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने नागर विमानन मंत्रालय को लिखे पत्र में पायलटों को होने वाली थकान पर चिंता जताते हुए संशोधित मानदंडों को तत्काल क्रियान्वित करने की जरूरत बताई है। पायलटों के समूह एफआईपी के 6,000 से अधिक सदस्य हैं। एफआईपी ने इससे पहले भी नागर विमानन मंत्रालय को संशोधित नागर विमानन आवश्यकता (सीएआर) पर पत्र लिखा था, क्योंकि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसके क्रियान्वयन को टाल दिया था। उड़ान ड्यूटी समयसीमा से संबंधित संशोधित सीएआर पायलट की थकान पर बढ़ती चिंताओं के बीच उन्हें आराम के लिए अधिक समय देने से संबंधित है। मार्च में डीजीसीए ने इसके क्रियान्वयन को स्थगित करने का निर्णय लिया था। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू को लिखे पत्र में एफआईपी अध्यक्ष सीएस रंधावा ने उनसे संशोधित सीएआर को जल्द से जल्द लागू करने के लिए डीजीसीए को निर्देश देने का अनुरोध किया है। पत्र में सीएआर के क्रियान्वयन को स्थगित करने के नियामक के कदम का जिक्र करते हुए कहा गया है कि डीजीसीए की कार्रवाई न केवल पायलट सुरक्षा को खतरे में डालती है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी कमजोर करती है। 29 जुलाई को लिखे पत्र में यह भी दावा किया गया है कि थकान के मुद्दे की गंभीरता को पहचानने में नियामक की विफलता न केवल पायलटों बल्कि हवाई यात्रा करने वाले आम लोगों की सुरक्षा से भी समझौता करने जैसा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने हवाई अड्डों के रखरखाव, मरम्मत पर 796 करोड़ खर्च किए

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में खर्च 20 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 101 हवाई अड्डों के रखरखाव और मरम्मत पर कुल 796 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। वित्त वर्ष 2021-22 से एएआई का हवाई अड्डों पर इन गतिविधियों को लेकर खर्च लगातार बढ़ रहा है। मार्च, 2024 को समाप्त पिछले वित्त वर्ष में यह राशि बढ़कर 795.72 करोड़ रुपये हो गई, जो 2022-23 में 663.42 करोड़ रुपये थी। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा राज्यसभा के साथ साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 2021-22 में मरम्मत और रखरखाव कार्यों पर खर्च 535.02 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के मुताबिक 121 एएआई हवाई अड्डों के लिए व्यय के आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें से 20 हवाई अड्डों पर इस तरह का कोई खर्च नहीं किया गया है। हाल ही में दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल 1डी पर छत का एक हिस्सा गिरने की घटना के बाद से हवाई अड्डा इमारतों के रखरखाव को लेकर चिंता पैदा हुई है। नागर विमानन राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने 29 जुलाई को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि सभी हवाई अड्डा परिचालकों को हवाई अड्डे की इमारतों और संबंधित बुनियादी ढांचे की संरचनात्मक स्थिरता का तीसरे पक्ष से ऑडिट कराने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी हवाई अड्डा परिचालकों को हर साल मानसून की शुरुआत से पहले हवाई इमारतों के सभी सिविल, बिजली और तकनीकी पहलुओं को आकलन करने को कहा गया है। एएआई और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) भागीदारों ने 2019-20 से 2024-25 की अवधि के लिए 91,000 करोड़ रुपये से अधिक के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। यह राशि विभिन्न हवाई अड्डों के विकास, उन्नयन और आधुनिकीकरण पर खर्च की जाएगी।

बीते सप्ताह सरसों, पाम-पामोलीन, बिनौला के भाव में सुधार हुआ

सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन के भाव गिरावट के साथ हुए बंद

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल-तिलहन, पाम एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में सुधार, जबकि सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन के भाव नुकसान के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सरसों की आवक कम हो रही है और जुलाई में सभी खाद्य तेलों को मिलाकर लगभग 19 लाख टन के सस्ते आयात के कारण सरसों तेल के पेराई के बाद बेपड़ता होने से अब पेराई मिलें बंद हो रही हैं।

सरसों की जो आवक पहले लगभग 3-3.25 लाख बोरी की हो रही थी वह समीक्षाधीन सप्ताह के अंत में घटकर लगभग 2.60 लाख बोरी रह गई। आवक की कमी और आगामी त्योहारी मांग के मद्देनजर सरसों तेल-तिलहन कीमतों में सुधार रहा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये बढ़कर 5,900-5,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल का भाव 100 रुपये बढ़कर 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 1,875-1,975 रुपये और 1,875-2,000 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,450-4,470 रुपये प्रति क्विंटल और 4,260-4,385 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 20 रुपये, 170 रुपये और 20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,180 रुपये, 9,780 रुपये तथा 8,480 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,450-6,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 2,325-2,625 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। दूसरी ओर कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 165 रुपये सुधार के साथ 8,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 175 रुपये की मजबूती के साथ 9,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 8,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि बिनौला तेल का भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 9,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

कच्चे तेल के दाम 77 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे

नई दिल्ली। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल-डीजल के नए भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव क दौर लगातार जारी है। जारी भाव के अनुसार कच्चे तेल का दाम 77 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे आ गया है। वैश्विक

बाजार में रविवार को ब्रेंट क्रूड 76.81 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है भारत में फिर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल सकता है। तेल कंपनियों के मुताबिक अलग-अलग महानगरों और शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

मात्र दो लाख की आबादी वाले सेंट लूसिया की जूलियन ने जीता स्वर्ण

पेरिस।

पेरिस ओलंपिक में दो लाख से कम आबादी वाले देश सेंट लूसिया की जूलियन अल्फ्रेड ने स्वर्ण पदक जीतकर सबको हैरान कर दिया। जूलियन ने महिलाओं की 100 मीटर रेस का फाइनल जीता। जूलियन ने ये रेस 10.72 सेकंड में ही पूरी कर ली। यह ओलंपिक में सेंट लूसिया का पहला ओलिंपिक पदक है। बारिश की वजह से गीले ट्रैक पर रेस के आयोजन पर भी कई सवाल उठे हैं। वहीं अमेरिका की शाकैरी रिचर्डसन ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक जीता। अमेरिका की ही मेलिसा जेफरसन ने 10.92 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही कांस्य पदक जीता।

जूलियन इससे पहले हीट राउंड में 10.95 सेकंड का समय निकालकर 5वें नंबर पर थीं। वह सेमीफाइनल में भी सबसे तेज धावक रहीं। जुलियन ने सेमीफाइनल में 10.84 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल मुकाबले में वह छठे लेन में थीं।

इस स्पर्धा में अमेरिका एक बार फिर स्वर्ण पदक नहीं जीत पायी। अंतिम बार 1996 में गेल डेवर्स ने ओलंपिक में अमेरिका की ओर से इस वर्ग में जीत दर्ज की थी। जोन्स को डोपिंग के लिए उनके 2000 के ओलंपिक स्वर्ण से हटा दिया गया था।

मेरे कैरियर की सबसे बड़ी हार : पीवी सिंधु

पेरिस। भारतीय बैडमिंटन की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक के प्री क्वार्टर फाइनल में हार के बाद थोड़े समय के लिए ब्रेक लेना की घोषणा की है, क्योंकि वह अपने करियर की सबसे कड़ी हार में से एक से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा भी किया है। रियो ओलंपिक 2016 में रजत और तोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी बिंग जियाओ से हार गईं और पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची खलीफा, लवलीना हार कर बाहर

पेरिस। अल्जीरियाई महिला मुक्केबाज ईमान खलीफा पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। खलीफा ने महिलाओं के 66 किलो भारवर्ग में हंगरी की आना लूका हामोरी को 5-0 से हरायकर एक पदक पक्का कर लिया है हालांकि जेंडर विवाद को लेकर वह सवालों के घेरे में रही हैं। खलीफा को महिलाओं के वर्ग में उतारे जाने पर विवाद भी हुआ है क्योंकि वह ट्रांसजेंडर की श्रेणी में हैं। इसके बाद भी इस मुक्केबाज ने क्वार्टर फाइनल में जबरदस्त खेल दिखाया। महिलाओं के 66 किलो भारवर्ग में उतरी खलीफा को लेकर सोशल मीडिय में भी काफी सवाल उठो हैं। लोगो ने इस मुक्केबाज को जमकर ट्रोल किया है। लूका के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में मिली 5-0 की जीत के बाद यह पक्का हो गया कि अब उन्हें एक पक्क मिलना तय हो गया है। महज 46 सेकंड के बाद ही इटली की मुक्केबाज ने मैच से हटने का फैसला लिया। उन्होंने महिला होने पर सवाल उठाया और कहा कि करियर में कभी भी इतनी जोर का मुक्का नहीं झेला। वहीं दूसरी तरफ भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। इस प्रकार लवलीना का लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया। 75 किलो भारवर्ग में लवलीना को चीन की ली कियान ने हराया। लगातार तीनों राउंड में लवलीना पर मिली जीत के आधार पर जज ने चीनी खिलाड़ी को 4-1 से विजयी घोषित कर दिया। पहले दौर में लवलीना के खिलाफ चीनी खिलाड़ी ने 3-2 से बढ़त बनाई जबकि दूसरे राउंड के मुकाबले में भी चीनी मुक्केबाज हावी रहीं। जज ने इस राउंड में फैसला 3-2 से चीनी खिलाड़ी के पक्ष में दिया। वहीं तीसरे राउंड के बाद 4-1 से लवलीना की हार से उनका बाहर होना पक्का हो गया।

एक दशक से अधिक समय बाद एमएस धोनी से मिले जोगिंदर शर्मा

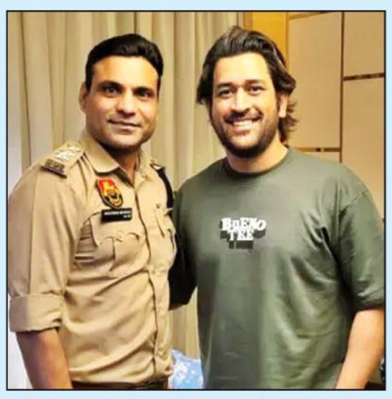

चंडीगढ़। 2007 टी20 विश्वकप क्रिकेट की विजेता टीम में शामिल रहे ऑलराउंडर जोगिंदर शर्मा की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई है। इसमें वह भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से मिलते दिख रहे हैं। मध्यम गति के गेंदबाज रहे जोगिंदर ने साल 2004-07 के बीच 4 एकदिवसीय और टी20ई खेले थे। जोंगिदर को विश्वकप के बाद भारतीय टीम में जगह नहीं मिली और वह हरियाणा पुलिस में भर्ती को गये। आज पुलिस उपाधीक्षक (डी एसपी) बन गये हैं। जोगिंदर ने 2023 में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। उन्होने 2017 के बाद से कोई पेशेवर क्रिकेट मैच नहीं खेला है।

हसरंगा भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

कोलंबो। श्रीलंका के स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा के बाहर होने से मेजबान टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके दो प्रमुख गेंदबाज पहले से ही बाहर चल रहे हैं। स्पिनर हसरंगा से पहले चार अन्य गेंदबाज भी सीरीज से बाहर हो गये थे। हसरंगा पहले एकदिवसीय में अपने अंतिम ओवर के दौरान परेशानी का अनुभव कर रहे थे। हसरंगा की जगह जेफरी वांडरसे को टीम में जगह मिली हालांकि हसरंगा की कमी पूरी करना उनके लिए संभव नहीं होगा। मथीशा पथिराना, दिलशान मदुशंका, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा चोटिल होने के कारण पहले ही सीरीज से बाहर हो गये थे। क्रिकेट श्रीलंका के अनुसार हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण एक एकदिवसी सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक हॉकी

भारतीय टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया, सेमीफाइनल में अपनी बनाई जगह

पेरिस।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को पैनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस मैच में तय समय तक दोनो टीमो के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। इसकेबाद विजेता का फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ जिससे भारतीय टीम ने 4-2 से बाजी मार ली। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरे ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इस मैच की खास बात यह रही कि भारतीय टीम मैच के ज्यादातर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेली क्योंकि अमित रोहिदास को 17 वें मिनट में फाउल के कारण लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया था।

इस मैच में पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 22वें मिनट में भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पैनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 27वें मिनट में ब्रिटेन के मॉर्टन ली ने गोल कर 1-1 से स्कोर बराबर कर दिया। इसी के साथ दूसरे क्वार्टर तक दोनों टीमें ने काफी प्रयास किया पर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा।

भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में अपनी रणनीति बदली वहीं ब्रिटेन ने भी हमले तेज कर दिये पर कोई टीम गोल नहीं कर पायी। इस प्रकार तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। चौथे क्वार्टर में भारत ने रक्षात्मक अंदाज अपनाते हुए ब्रिटेन को कोई गोल नहीं करने दिया। इस प्रकार तय समय तक स्कोर 1-1 पर रहा जिसके करण मुकाबला पैनाल्टी शूटआउट में पहुंच गया।

पैनाल्टी शूटआउट में इंग्लैंड के जेम्स आल्ड्रिन ने पहला गोल किया। वहीं भारत की ओर से हरमनप्रीत ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं ब्रिटेन की ओर से दूसरा शूटआउट वालेस ने लिया और गोल कर टीम को 2-1 से बढ़त दिया दी। भारत के सुखजीत सिंह ने एक बार फिर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया है। इस प्रकार स्कोर 2-2 हो गया।

ब्रिटेन के लिए तीसरे प्रयास में क्रोनोन आए और गोल करने में विफल रहे। वहीं भारत की ओर से ललित ने तीसरे प्रयास में गोल कर भारत की बढ़त को 3-2 तक बढ़ा दिया। ब्रिटेन चौथा प्रयास भी भारतीय गोलकीपर श्रीजेश को मात नहीं दे पाया। इसके बाद राजकुमार ने भारत के लिए चौथा गोल कर टीम को 4-2 से जीत दिला दी।

लक्ष्य पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में हारे , कांस्य के लिए मुकाबला आज

भारत के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन को पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। लक्ष्य को इस मुकाबले में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन ने 22-20, 21-14 से हराया। अब लक्ष्य सोमवार को कांस्य पदक के लिए मलेशिया के ली जी जिया से खेलेंगे। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अच्छी शुरुआत की और वह एक समय तक 6-0 से आगे थे पर इसके बाद एक्सेलसन ने वापसी करते हुए स्कोर 4-8 कर दिया। एक्सेलसन ने इसके बाद स्कोर 13-12 कर दिया। इसके बाद दो अंक विक्टर के पक्ष में गए और स्कोर 15-12 पहुंच गया। एक्सेलसन ने इसके बाद एक के बाद एक अंक हासिल किये और 17-13 से आगे हो गए। लक्ष्य इसके बाद वापसी में असफल रहे।

सात्विक-चिराग की हार से दुखी कोच मथियास ने संन्यास लिया

पेरिस।

पेरिस ओलंपिक में भारत की शीर्ष पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की हार से निराश उनके कोच ने संन्यास की घोषिणा कर दी है। इस जोड़ी के कोच कोच मथियास बोए ने कहा है कि अब मैं थक गया हूं। सात्विक-चिराग की जोड़ी को ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। मथियास ओलंपिक से पहले ही चिराग और सात्विक के कोच बने थे।

डेनमार्क के बोए ने अपने संन्यास को लेकर कहा, 'मेरे लिए, कोचिंग के दिन यहीं खत्म हो जाते हैं, मैं कम से कम अभी भारत या कहीं और कोचिंग नहीं करुंगा।. मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच का काम भी बेहद तनाव भरा रहता है। मैं एक थका हुआ आदमी हूं.' पेरिस में पुरुष युगल वर्ग में सात्विक और चिराग पदक के दावेदार थे और हार पर कोच ने उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा, 'मैं स्वयं भी इस भावना को अच्छी तरह से जानता हूं। हर दिन कड़ी मेहनत करना, अपने जीवन में सर्वश्रेष्ठ लय में रहना और फिर चीजें वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। मुझे पता है कि आप लोग निराश हैं, मैं जानता हूं कि आप भारत के लिए पदक लाना चाहते थे लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सका।'

3000 मीटर स्टीपलचेज रेस से बाहर हुई पारुल

पेरिस। भारत की पारुल चौधरी पेरिस ओलंपिक में 3000 मीटर स्टीपलचेज हीट रेस में 8वें स्थान पर रहने के साथ ही बाहर हो गयी। पारुल ने 9 मिनट 23.39 सेकंड में ये दूरी तय की। तीनों हीट रेस में से प्रत्येक में शीर्ष-पांच फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। युगांडा के पेरुथ चेमुताई 9.10.51 का समया निकालकर पहले नंबर पर रहीं। केन्या के फैथ चेरोटिच (9.10.57) और जर्मनी की गेसा फेलिसिटास क्राउसे (9.10.68) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इससे पारुल बाहर हो गयी। वह इस प्रकार अंकिता ध्यानी के साथ महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पायीं। पारुल ने 9.23.00 के प्रवेश मानक को पार करने के कारण 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने पसंदीदा इवेंट के लिए सीधे प्रवेश हासिल किया था। भारत की ओर से ललिता बाबर ने साल 2016 रियो ओलंपिक में अंतिम दौर के लिए क्वालीफाई किया था।

विजेंदर ने पेरिस ओलंपिक में निशांत के साथ चीटिंग के लगाये आरोप

प्रशंसक भी जजों पर भड़के

पेरिस।

ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाज निशांत देव के साथ चीटिंग हुई है। निशांत को यहां क्वार्टर फाइनल में हार को सामना करना पड़ा था। इस भारतीय मुक्केबाज को 71 किग्रा भार वर्ग में मेक्सिको के मार्को वर्डे अल्वारेज ने करीबी मुकाबले में हरा दिया था।

इस मुकाबले में निशांत ने पहले राउंड में जीत हासिल की। दूसरे राउंड में भी वह हावी दिखे। उन्होंने विरोधी मुक्केबाज पर कई जोरदार प्रहार किये पर इसके बाद भी जजों ने अल्वारेज को विजेता घोषित कर दिया। 3-1 से आगे हो गए।

अल्वारेज ने अंतिम राउंड में आक्रामक शुरुआत करते हुए जमकर प्रहार किये पर जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, वह धीमे होते गये। वहीं निशांत ने पंच लगाने के प्रयास किये पर वह धीमे रहे। अल्वारेज ने इसका फायदा उठाया और जीत हासिल की। निशांत की हार पर लोग भड़क गये और उन्होंने सोशल मीडिया पर जजों पर भेदभाव के आरोप लगाये। विजेंदर सिंह ने कहा कि स्कोरिंग प्रणाली क्या है ये समझ से परे है। मुझे लगता है कि यह करीबी मुकाबला रहा। निशांत ने काफी अच्छा खेला। निशांत पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर होने वाले पांचवें भारतीय मुक्केबाज रहे।

रनिंदर, जसपाल बोले-खेलो इंडिया योजना से कुछ हासिल नहीं हुआ

राष्ट्रीय महासंघ का जूनियर कार्यक्रम फिर शुरू किया जाये

शेटराउ।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के प्रमुख रहे रनिंदर सिंह और कोच जसपाल राणा ने खेलो इंडिया परियोजना पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसका कुछ भी फायदा नजर नहीं आ रहा है। इन दोनो का ही मानना है कि इसे बंद कर राष्ट्रीय महासंघ के अधीन जूनियर कार्यक्रम फिर शुरू किया जाना चाहिये। इनका कहना है कि केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के कारण जूनियर कार्यक्रम को बंद कर दिया गया था जिसका नुकसान अब हो रहा है। इनके अनुसार जिन भी खिलाड़ियों को पदक मिले हैं वह अनुभव के कारण मिले हैं। जसपाल और रनिंदर का मानना है कि अगर विकास कार्यक्रम का पूरा नियंत्रण महासंघ को नहीं दिया मिला तो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में भी निशानेबाज बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायेंगे। इन दोनो के अनुसार खेलो इंडिया से कुछ नहीं मिल रहा। राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय किसी भी स्तर पर। उन्होंने कहा कि निशानेबाजी में अगर आपको खिलाड़ी को तैयार करना है और उसे रोज 1000 कारतूस नहीं चाहिए। उसे रोजाना 100 कारतूस दिए जाते हैं और उसके प्रदर्शन पर नजर रखी जाती है। उन्होंने तंज कसा की भारत में हर कोई कोच है। वहीं पूर्व राष्ट्रीय कोच और मनु के निजी कोच जसपाल ने कहा कि मैं पूरी तरह से सहमत हूं। खेलो इंडिया जूनियर कार्यक्रम ही है। बस सब कुछ महासंघ के हाथ से लेकर इसे खेलो इंडिया बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कैसे संभव है कि एक साल के भीतर खेलो इंडिया से पदक मिलने लगे। क्योंकि आपने सर्वश्रेष्ठ को चुना लेकिन उन्हें तैयार करने में 8 साल लगे हैं।

राष्ट्रीय रस्साकसी प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद के आठ खिलाड़ी चयनित

मुरादाबाद।

जिला रस्साकसी संघ के सचिव शाहवेज अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के आठ खिलाड़ियों का चयन उत्तर प्रदेश रस्साकसी टीम में राष्ट्रीय रस्साकासी प्रतियोगिता में हुआ है। राष्ट्रीय रस्साकासी प्रतियोगिता 5 अगस्त से 9 अगस्त तक आगरा जिले में आयोजित होगी।

शाहवेज अली ने बताया कि माडर्न पब्लिक स्कूल के आठ खिलाड़ियों का अंडर 19 बालक वर्ग में चयन हुआ है जिसमें समीर, शयान खान, अनस, सरताज मुमताज़, मोहम्मद बिलाल, मोहम्मद सैफ और मोहम्मद अमान पहली बार रस्साकसी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक सऊद आलम व प्रधानाचार्य शकील अहमद ने खिलाड़ियों को बधाई दी व खिलाड़ियों को जीत के साथ वापस आने के लिए मनोबल बढ़ाया।

शास्त्री ने बुमराह की तुलना अकरम और यूनिस से की

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तुलना पाकिस्तानी के दिग्गज तेज वसीम अकरम और वकार यूनिस से की है। शास्त्री के अनुसार बुमराह गेंद को नियंत्रित करना जानते है। शास्त्री का कहना है कि इसी कौशल के बल पर बुमराह ने टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाई थी। बुमराह ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में आयोजित इस विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच और फिर फाइनल में अंतिम ओवरों में विकेट लेकर मैच पलट दिया था। बुमराह विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर मैन ऑफ द सीरीज बने थे। शास्त्री ने कहा, 'बहुत कम गेंदबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया है। मुझे लगा कि जब वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) जब अपने खेल में शीर्ष पर थे तब उनके पास ऐसी क्षमता थी। वहीं स्पिन की बात करें तो दिवंगत. शेन वार्न के पास भी गेंद को नियंत्रित करने की कला थी। बुमराह भी इस सूची में शामिल हो गया है जो गेंद पर अपने मन के मुताबिक नियंत्रण रख सकते हैं।' शास्त्री ने 'कहा, 'मुझे लगता है कि भारत-पाक मैच से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया था। टीम को इस मैच में कड़ी टक्कर मिली और उसे उसे एहसास हुआ कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए सही संयोजन किस प्रकार का होना चाहिए। इसके बाद फाइनल मैच के आखिरी पांच ओवर शानदार रहे। बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ रिजवान को सही समय पर आउट किया. इस विकेट से मैच का रुख भारत की ओर मुड़ने लगा था। साथ ही कहा कि विश्व कप में बुमराह को लेकर उनका सर्वश्रेष्ठ पल तब आया जब इस गेंदबाज ने यानसेन को बोल्ड किया।

एक सुखद आश्चर्य...

हाल ही में पेश हुए आम बजट में तंबाकू उत्पादों को महंगा कर दिया गया है। मकसद है इन उत्पादों से लोग दूरी बनाएं। इन प्रयासों के अच्छे परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। भारत में सिगरेट की खपत में गिरावट आ रही है। इसे एक सुखद संकेत माना जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के हालिया आंकड़ों के मुताबिक देश में 2015-16 में लगभग 10 अरब सिगरेट कम बिके हैं। इस समयावधि के दौरान सिगरेट का उत्पादन 117 अरब से घटकर 105.3 अरब सिगरेट रह गया। बढ़ती नशाखोरी के बीच ये आंकड़े समाज और सरकार दोनों के लिए आशा की नई किरण बन सकते हैं।

गुपचुप हुई गिरावट

बढ़ती नशाखोरी पूरे देश के लिए एक बड़ी चिंता बनती जा रही है। युवा और किशोर नशे के सर्वाधिक गिरफ्त में दिखते हैं। इस आयु में आधुनिक और अलग दिखने की सहज प्रवृत्ति होती है और नशे का कारोबार करने वाली कंपनियों ने बड़ी चालाकी से नशे को आधुनिक सोच और स्वच्छंद जीवनशैली से जोड़ दिया है। इसके कारण युवाओं में नशाखोरी की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। रही सही कसर अन्य देशों से होने वाली नशे की तस्करी ने पूरी कर दी है। नशे के बढ़ते चलन के बीच अच्छी खबर यह है कि भारत में बीते दो सालों में सिगरेट की खपत में तेजी से कमी आई है। यह खबर एक सुखद आश्चर्य पैदा करती है क्योंकि खपत गिरावट बहुत गुपचुप हुई है।

यह भी है वजह

संभवतः सरकार द्वारा सिगरेट के पैकेटों पर इसके नुकसानदेह होने की सूचना बड़े रूप में छापे जाने के कारण समाज में जागरूकता पैदा हो रही है। पहले शाब्दिक और छोटे रूप में यह सूचना लिखी जाती थी कि 'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' लेकिन अब इस सूचना के साथ कैंसर की स्थिति को दर्शाता एक बड़ा चित्र भी निकोटिन की उपस्थिति वाले उत्पादों पर लगता है। यह चित्र उपभोक्ताओं की मानसिकता पर गहरा प्रभाव छोड़ने में सफल रहा है। आंकड़ों से साफ संकेत मिलता है कि सदाबहार माना जाने वाला सिगरेट का बाजार भारत में मंदी के दौर से गुजर रहा है। कभी सिगरेट के हानिकारक प्रभावों और कंपनियों की रणनीति की तरफ संकेत करते हुए डब्ल्यूएचओ के एक निदेशक ने कहा था कि 'सिगरेट में सिर्फ उतना ही निकोटिन डाला जाता है।

भगवान शिव ने की थी श्रीगणेश की पूजा

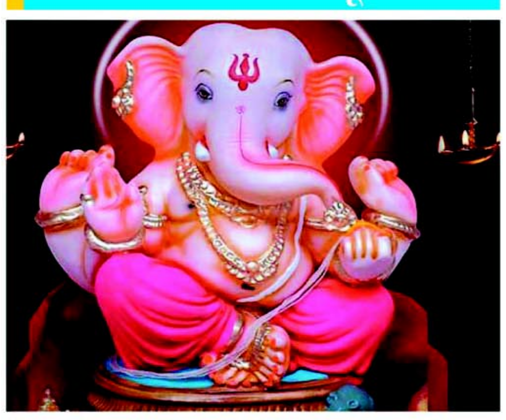

शास्त्रों के अनुसार भगवान ब्रह्मदेव ने भविष्यवाणी की थी कि हर युग में श्री गणेश विभिन्न रुपों में अवतरित होंगे। कृतयुग में विनायक, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापरयुग में गजानन एवं धूम्रकेतु नाम से कलयुग में अवतार लेंगे। गणपति जी के आठ प्रमुख मंदिरों में से एक है महागणपति मंदिर जो रांजणगांव में पुणे अहमदनगर राजमार्ग पर 50 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है। इतिहास पर दृष्टिपात करने से ज्ञात होता है की यह मंदिर 9वीं और10वीं सदी के मध्य होंद में आया। शिव जी ने त्रिपुरासुर के साथ युद्ध करने से पूर्व गणेश जी की पूजा की थी तत्पश्चात मंदिर का निर्माण करवाया। तब यह स्थान मणिपुर के नाम से जाना जाता था पर आज इसे लोग रांजणगांव कहते हैं। शिव जी ने दैत्यराज त्रिपुरासुर को गणेश जी के आशीर्वाद से पराजित किया था इसलिए इन्हें त्रिपुरारी महागणपति के रूप में भी पूजा जाता है। इतिहास में हुए हमलों के डर से गणपति जी का वास्तविक स्वरूप मंदिर के एक तहखाने में छिपाया हुआ है। मंदिर में विराजित गणेश जी की प्रतिमा को माहोतक भी कहा जाता है क्योंकि इसकी 10 सूंड और 20 हाथ हैं। गणेश जी की प्रतिमा बैठे आसन में दिखाई देती हैं और उनके ईर्द-गिर्द रिद्धी-सिद्धी की प्रतिमाएं हैं। भव्य प्रवेश द्वार में अलंकृत महागणपति मंदिर पूर्वमुखी है। जय और विजय दो द्वारपाल हैं जिनकी प्रतिमाएं मुख्य द्वार पर अवस्थित हैं। भोर फटते ही सूरज की पहली किरण सीधी प्रतिमा पर पड़ती है। श्री अष्टविनायक गणपति स्वरूपों में महागणपति गणेश जी का सबसे शक्तिशाली प्रतिरूप है।

भगवान के दिए तोहफे...

विदुर-नीति जितनी उपयोगी महाभारत काल में थी उतनी आज भी है। ऐसा भी कहा जा सकता है की इन नीतियों के अनुसार कुछ ऐसी चीजें हैं जो भगवान का दिया तोहफा होती हैं। जिस व्यक्ति के पास यह होती हैं उससे अधिक सुख और समृद्ध इस धरती पर कोई ओर नहीं हो सकता। जीवन यापन करने के लिए काम की आवश्यकता होती है। जिस व्यक्ति के पास कमाई के पर्याप्त साधन होते हैं। वह ईमानदारी से मेहनत करके अपना और अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकता है। काम के अभाव में जीविका चलाना असंभव है। रोग और शोक व्यक्ति को तन मन से कमजोर बना देते हैं। बार-बार बीमार पड़ने वाले व्यक्ति का धन तो जाता ही है साथ ही उसे अंदर से तोड़ भी देता है। निरोगी काया संसार के तमाम सुखों से बढ़कर है। जिस व्यक्ति की पत्नी मृदुभाषी होती है, वह धरती पर जन्नत का आनंद भोगता है। उसका घर स्वर्ग के समान होता है। देवी सरस्वती के साथ-साथ महालक्ष्मी भी उसके आलय में वास करती हैं। भाग्यवान है वह व्यक्ति जिसकी संतान उसके कहे अनुसार कार्य करती है। अच्छी संतान कुल के नाम में चार चांद लगा देती है, वही बुरी संतान कुल का नाश कर देती है। ज्ञान में ऐसी शक्ति है जो रंक को भी राजा बनाने का सामर्थ्य रखती है। इससे न कोई छीन सकता है न चोरी होने की आशंका रहती है। जीवन में जैसी भी परिस्थितियां आएं, ज्ञान से कुछ भी अर्जित किया जा सकता है। जो पत्नी अपने पति को सच्चे दिल से मान देती है उसे धर्म ग्रंथों में पतिव्रता कहा जाता है। वह पत्नी अपने पति के मन भाती है जो पति की भावनाओं का सम्मान करती है और अपने घर की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करती है।

जीवन का जरूरी तत्व क्षमा...

भूल करना मानव की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है; हम सभी भूल करते हैं, लेकिन उन्हें दोहराने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। हमें अपनी भूल का अहसास हो गया है यह दिखाने की केवल दो विधियां हैं। पहली विधि है कि भूल को न दोहराएं और दूसरी एक सच्ची क्षमा याचना द्वारा। सही ढंग से क्षमा मांगना कोई विशेष कला या ज्ञान नहीं। यह तो केवल इस पर निर्भर है कि आप स्पष्ट रूप से सत्य बोल पाते है कि नहीं। जब हमें वास्तव में अपने कार्य पर पछतावा होता है, तो सही शब्द स्वतः ही बाहर आने लगते हैं और क्षमा मांगना अत्यंत सरल हो जाता है।

क्षमा याचना विश्वास की एक पुनःस्थापन है। इसके द्वारा आप यह कह रहे हैं कि मैं ने एक बार आपका विश्वास तोड़ा है किंतु अब आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं और मैं ऐसा फिर कभी नहीं होने दूंगा। जब हम एक भूल करते हैं, तो दूसरे व्यक्ति के विश्वास को झटका लगता है। अधिकतर सकारात्मक भावनाओं की नींव विश्वास ही होती है। उदाहरणार्थ जब आप किसी से प्रेम करते हैं, तो आप उन पर विश्वास करते हैं कि वे वास्तव में वैसे ही हैं जैसा वे स्वयं को दर्शाते हैं किंतु जब वे उसके विपरीत कार्य करते हैं, तो आप का विश्वास टूट जाता है। इस विश्वासघात से आप को बहुत कष्ट होता है और यह दूसरे व्यक्ति के प्रति आप की भावनाओं को भी प्रभावित करता है। यदि आप अपराध को दोहराने का विचार कर रहें हैं, तो ऐसी क्षमा याचना विश्वसनीय नहीं है। उदाहरणार्थ एक टूटे हुए घड़े को ले लीजिए। यदि आप सावधानी और सबूरी से प्रयत्न करें तो संभवतः एक बार उसे जोड़ सकते हैं किंतु उसे फिर से तोड़ने पर उसे जोड़ना अधिक कठिन या लगभग असंभव हो जाता है। इसी प्रकार यदि आप किसी के विश्वास को तोड़ते हैं संभवतः वह आपको एक बार क्षमा कर सकते हैं, लेकिन यदि आप ऐसा फिर से करते हैं तो आप उनसे क्षमा की आशा नहीं कर सकते। इसलिए, एक निष्ठाहीन क्षमा याचना सम्पूर्ण रूप से व्यर्थ है।

निष्कपट क्षमा याचना

क्षमा याचना विश्वसनीय तभी होती है जब आप यह ठान लें कि आप अपने अपराध को दोहराएंगे नहीं और जब आप कोई बहाना या औचित्य नहीं देते हैं। आप अपने कार्य का पूरा उत्तरदायित्व लेते हैं और सच्चे दिल से आप क्षमा मांगते हैं। पश्चाताप की भावना से रहित क्षमा याचना व्यर्थ है। वास्तव में, इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। अक्सर लोग कहते हैं, मुझे क्षमा करें परंतु मैंने ऐसा सोच कर यह काम किया था या मुझे क्षमा करें परंतु मैं ने यह कार्य इस कारण किया था या मुझे क्षमा करें यदि मेरे कारण आप को कोई चोट पहुंची हो। यह क्षमायाचना नहीं केवल बहाना है। एक सच्ची क्षमा याचना में यदि और परंतु जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं होता। यह कहना कि आपने ऐसा क्यों किया इसका भी कोई अर्थ नहीं। सर्वश्रेष्ठ क्षमा याचना वह है जहां आप यह पूर्ण रूप से समझें, महसूस करें तथा स्वीकार करें कि आपके कार्यों ने अन्य व्यक्ति को ठेस पहुंचाई है। एक कारण या औचित्य दे कर अपनी क्षमा याचना को दूषित न करें। यदि आप सच्चे दिल से क्षमा नहीं मांगते हैं तो आप अपनी क्षमा प्रार्थना का नाश कर रहे हैं। इससे दूसरे व्यक्ति को और अधिक कष्ट होगा। आप एक क्षमा याचना अथवा एक बहाने में से केवल एक को ही चुन सकते हैं, दोनों को नहीं। एक सच्ची एवं निष्कपट क्षमा याचना वह होती है जिसमें आप अपने अपराध को पूर्ण रूप से स्वीकार करते हैं।

क्षमा मांगना क्यों जरूरी

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को किसी ने पत्थर का बना सुंदर पेन भेंट किया। उनका उस पेन से बहुत लगाव हो गया था। वे अपना लेखन कार्य उसी पेन से करते थे। काम खत्म होने के बाद स्वयं उसे संभाल कर मेज पर रख देते थे। एक दिन उनके ऑफिस का सेवक उनकी मेज की सफाई कर रहा था। सफाई करते समय अचानक उससे वह पेन नीचे गिर गया और टूट गया। स्याही के कुछ छींटे कमरे में बिछे कालीन और महामहिम राष्ट्रपति के कपड़ों पर जा गिरे। राष्ट्रपति को उसकी लापरवाही पर क्रोध आ गया और उसको डांटते हुए उसे काम से हटा कर दूसरी जगह भेज दिया। सेवक चला तो गया, किन्तु डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बैचेन हो उठे। अंदर ही अंदर उनका मन उन्हें बुरा-भला कहने लगा। वे उदास हो गए। इसी बीच कई मिलने वाले लोग आए, किन्तु उनकी उदासी दूर नहीं हुई। उन्हें अपने सेवक से बुरा भला कहने पर बड़ी ग्लानी हो रही थी। सेवक से अनजाने में हुई गलती पर उसे डांटना उन्हें उचित नहीं लगा। वे उससे क्षमा मांगना चाहते थे। दूसरे दिन उन्होंने सेवक को बुलाया और उससे क्षमा याचना करने लगे। भारत का राष्ट्रपति एक सेवक से क्षमा मांगे, यह देखकर सेवक श्रद्धा से उनके चरणों में झुक गया। उनकी आंखे भर आई। उन्होंने उसी दिन उस सेवक को फिर से कार्य पर रख लिया। जिंदगी में हम लोग भी कई बार छोटी-छोटी बातो पर गुस्सा हो जाते है और दुसरे की थोड़ी सी गलती करने पर उससे उलझने लगते है और क्रोधित हो जाते हैं पर क्या ऐसा करना उचित है। सत्य तो यह है की क्रोध हमेशा ही हमारा स्वयं का ही नुकसान करता है और इससे समस्या का समाधान नहीं निकलता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन की यह कहानी हमें सीख दे जाती है की एक उच्च चरित्र का आदमी स्वयं की गलती होने पर माफी मांगने से भी नहीं कतराता। इसलिए अपने जीवन में कभी भी छोटी-छोटी बातो को लेकर गुस्सा न करे और जीवन को प्रसन्नता से जिएं।

क्षमा मांगना और क्षमा करना

बिना शर्त पूर्णरूप से क्षमायाचना करें और क्षमा भी करें। लाभ-हानि या किसी निहित स्वार्थ से ऊपर उठकर क्षमा मांगने और क्षमा देने से क्षमा निष्काम कर्म की कोटि में आ जाती है और निष्काम कर्म सबसे उत्तम माना गया है। जो लोग न क्षमा मांगना जानते हैं और क्षमा करना नही तो वे अपने लिए इस धरती पर ही नरक की सृष्टि कर लेते हैं। क्षमाशील व्यक्तित ही इस धरती पर स्वर्ग की सृष्टि कर जीतेजी स्वर्ग भोगते हैं। क्षमा कब करें? यदि कोई व्यक्ति क्षमा मांगता है, तो क्षमा न करना अपराध जैसी स्थिति हो जाती है। क्षमा मांगने पर मांगने वाला अपनी गलती को स्वीकार कर अपराधबोध से मुक्त हो जाता है, लेकिन क्षमा न करने वाला उसकी पीड़ा से सुलगता रहता है। अतः किसी के क्षमा मांगने पर क्षमा कर देना उसके स्वयं के लिए एक उपयोगी क्षण है। कोई अपनी गलती के लिए क्षमा न मांगे तो भी क्या उसे क्षमा किया जा सकता है? यह क्षमा करने वाले पर निर्भर है, पर क्षमा न करने पर क्षमा न करने वाला भी तो भुगतेगा। क्षमा मांगने पर भी और क्षमा न मांगने पर भी। बस थोड़ी सूझबूझ की जरूरत है। दूसरा क्षमा मांगे या न मांगे आप तो किसी भी तरह उसे क्षमा कर घातक मनोभावों से मुक्त हो जाइए। आप क्यों दूसरे की गलती का बोझ अपने मन में ढो रहे हैं? क्षमा न मांगने पर भी किसी को सही तरीके से उसकी गलती का एहसास कराकर क्षमा कर देने से गलती के शीघ्र परिष्कार की अपेक्षा की जा सकती है। क्षमा करना दूसरे को सुधरने का अवसर प्रदान करना ही है, अतः यह अनिवार्य भी है। अधूरी या आंशिक क्षमा का भी कोई अर्थ नहीं। भगवान महावीर इसलिए बाहुबली कहलाए, क्योंकि उन्होंने क्षमा को जीवन का अनिवार्य तत्व स्वीकार कर अपनाया। उनके बतलाए हुए मार्ग को धर्म कहा गया, क्योंकि इसमें क्षमा की प्रधानता थी। सम्राट अशोक इसलिए महान नहीं कहलाए कि उन्होंने कलिंग युद्ध में विजय प्राप्त की, अपितु ऐसे धर्म की शरण में चले गए जिसमें क्षमा की प्रधानता थी। ईसा मसीह ने उन लोगों को भी क्षमा कर दिया, जिन्होंने ईसा मसीह को सूली पर टांग दिया और ईसा मसीह प्रभु बन गए। उनके द्वारा दिखलाया गया मार्ग एक नया धर्म बन गया। क्षमा के अभाव में न कोई व्यक्ति वीर है और न कोई धर्म पूर्ण है। शत्रु और मित्र शब्दों का अस्तित्व वास्तव में 'क्षमा' के अभाव में ही है। जहां क्षमा है, वहां शत्रुता अथवा द्वेष का क्या काम?

वैर बिन, ये चार दिन

वैर मनुष्य के मन रूपी सरोवर में रहने वाली एक ऐसी गंदी मछली है जो सारे सरोवर को गंदा कर देती है। अगर हमारे मन में वैर, कपट, कलह और कटुता है, प्रतिशोध की भावना है तो हमने अपने मन के सरोवर में गंदी मछली को जन्म दे दिया है। जब तक यह गंदी मछली रहेगी हम अपने जीवन में दुर्गंध से भरे रहेंगे। वैर से वैर मिटता नहीं है। हम अपने विरोधी को भी प्रेम दें, उसके प्रति भी दोस्ती के भाव रखें, निंदा करने वाले व्यक्ति की भी प्रशंसा करें तो हम पाएंगे कि एक दिन वे हमारे साथ हो जाएंगे। जिसके मन में कठोरता, कटुता, कलह और संघर्ष की भावना रहती है उसके चित्त में कभी किसी के प्रति प्रेम नहीं होता। उसके प्रेम के सरोवर का पानी सूख जाता है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। स्नेह की कमी से मेलजोल में कटौती होती है। वह स्वयं तो दुखी रहता ही है किंतु अपनी उपस्थिति से आसपास के लोगों को भी दुखी करता है। अपने क्रोध और अहंकार से स्वयं को तो दंडित करता ही है, दूसरों को भी दंडित करने की सोचता रहता है। इतिहास में खून की जो नदियां बहती रही हैं, उनका एकमात्र कारण प्रतिशोध और बदले की भावना रही है। चिरकाल तक मनुष्य के मन में प्रतिशोध की भावना लहराती है। एक बार हम अपने मन को टटोलें, किसी धार्मिक ग्रन्थ की तरह ईमानदारी से अपने मन को पढ़ें। अपनी विचारस्थिति को पढ़े कि कहीं उसके भीतर कोई वैर तो नहीं है। चार दिन की छोटी-सी जिंदगी में दो दिन तो बीत गए और शेष दो दिन भी बीत जाएंगे - फिर किस बात का वैर-विरोध! छोटी-छोटी बातों की गांठें न बांधें। जैसे गन्ने की गांठ में एक बूंद भी रस नहीं होता वैसे ही जिस आदमी के मन में गांठें बन जाती हैं, उसका जीवन भी नीरस हो जाता है।

प्रेम प्रभावी हो ...

औरों के वचनों से मन को प्रभावित न करें, औरों की टिप्पणी से मन को कुंठित न करें, अपने मन को विचलित न करें। बुद्ध किसी गांव से जा रहे थे। गांव के लोगों ने उनकी बहुत निंदा की, अपशब्द कहे। गांव वाले जितना बुरा बोल सकते थे, बोले। जब वे चुप हो गए तो बुद्ध ने कहा - क्या अब मैं अगले गांव चला जाऊं? लोग दंग रह गये कि हमने इन्हें इतना भला-बुरा कहा और ये जरा भी प्रभावित नहीं हुए बल्कि मधुर मुस्कान से पूछ रहे हैं कि क्या मैं अगले गांव चला जाऊं? लोगों ने पूछा, हमारी गालियों का क्या हुआ? बुद्ध ने कहा - मैं जब पिछले गांव में था तो लोग मेरे पास मिठाइयां लेकर आए थे। उन्होंने मुझे मिठाइयां देने की बहुत कोशिश की और तरह-तरह के प्रयास भी किए लेकिन मैंने किसी की मिठाई स्वीकार नहीं की। आप मुझे बताएं कि वे मिठाइयां फिर किसके पास रहीं? लोगों ने कहा- यह तो बच्चा भी बता देगा कि मिठाइयां उन्हीं के पास रहीं। बुद्ध ने कहा- तुम्हारी बात तुम्हें मुबारक! पीछे के गांव वालों ने मिठाइयां दी, मैंने वे नहीं लीं अतः वे उन्हीं के पास रहीं, वैसे ही आप लोगों ने मुझे गालियां दीं और मैंने नहीं लीं तो आप लोगों की चीज आप ही के पास रह गई। जिनके मन में प्रेम और शांति का निर्झर बहा करता है वे ही लोग अप्रियता, कलह, कटुता और विरोध का वातावरण बनने पर भी उसे प्रेम और क्षमा में ढाल लिया करते हैं।

हर हाल में खुश रहो

प्रसन्न रहो, हर हाल में खुश रहो। प्रसन्नता आपके सौंदर्य को द्विगुणित करती है। आप प्रेम में, वात्सल्य में जीकर तो देखें। जितने आप जवानी में सुंदर हैं उससे भी अधिक बुढ़ापे में सुंदर दिखाई देंगे। क्या आपने गांधीजी का जवानी और बुढ़ापे का चित्र देखा है? तीस वर्ष की आयु में वे जैसे दिखते थे, सत्तर वर्ष की आयु में उससे कहीं अधिक सुंदर दिखने लगे थे। जैसे-जैसे व्यक्ति के विचार सुंदर होते जाते हैं उसका भीतरी सौंदर्य चेहरे पर प्रकट होने लगता है। आपने महर्षि अरविंद का वृद्धावस्था का चित्र देखा है? उनके चेहरे का ओज, तेज और सौंदर्य कितना अधिक आकर्षक था? बुढ़ापे में उसी का चेहरा बदसूरत होता है जिसके विचार सुंदर नहीं होते। जिसकी विचारदशा सुंदर होती है, वह जैसे-जैसे बूढ़ा होता है, उसके चेहरे पर सौन्दर्य छलछलाने लगता है। किसी के कल्याण के लिए अपनी ओर से जो कुछ भी हो सके, कर दो। अगर नहीं कर सको तो सहज रहो, अपने मन को हमेशा निर्मल रखो। वैर-विरोध और प्रतिशोध उसी को अच्छे लगते हैं जिसने अभी तक प्रेम और क्षमा का स्वाद नहीं चखा है। दुनिया में दो कठिन कार्य हैं- किसी से क्षमा मांगना या किसी को क्षमा करना। परन्तु ये दोनों ही कार्य आपको अनेक कठिनाईयों से मुक्ति दिलाते हैं। शुरू-शुरू में माफी मांगना हमें जहर पीने के समान लगता है परन्तु परिणाम में अमृत हो जाता है। क्षमा मांगना यदि प्रायश्चित का सुंदर व अच्छा रूप है तो क्षमा करना बड़प्पन का प्रतीक। इसमें आप न केवल मन की उलझन से मुक्त होंगे अपितु अपनी शक्ति और शांति में बढ़ोतरी करने में भी सफल हो जाएंगे।

हस्ताक्षर व्यक्तित्व का आईना...

हस्ताक्षर व्यक्ति के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण आइना है। व्यक्ति के हस्ताक्षर में उसके व्यक्तित्व की सभी बातें पूर्ण रूप से दिखाई देती हैं। हस्ताक्षर या लिखावट से हमारा सीधा संबंध मानसिक विचारों से होता है यानी हम जो सोचते हैं करते हैं जो व्यवहार में लाते हैं वह सब अवचेतन रूप में कागज पर अपनी लिखावट व हस्ताक्षर के द्वारा प्रदर्शित कर देते हैं। यहां यह जानना भी जरूरी है कि हस्ताक्षर के अध्ययन से व्यक्ति अपने भविष्य व व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है और हस्ताक्षर में दिखाई देने वाली कमियों को दूर करते हुए अपने हस्ताक्षर के साथ-साथ अपना भविष्य व व्यक्तित्व भी बदल सकता है।

पहला अक्षर बड़ा

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर का पहला शब्द काफी बड़ा रखता है, वह व्यक्ति उतना ही विलक्षण प्रतिभा का धनी, समाज में काफी लोकप्रिय व उच्च पद प्राप्त करने वाला होता है। हस्ताक्षर में पहला शब्द बड़ा व बाकी के शब्द सुंदर व छोटे आकार में होते हैं ऐसा व्यक्ति धीरे-धीरे उच्च पद प्राप्त करते हुए सर्वोच्च स्थान पाता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में पैसा बहुत कमाता है। कई भवनों का मालिक बनता है व समाज में काफी लोकप्रिय होता है किन्तु संकोची स्वभाव का उत्तम श्रेणी का विद्वान भी होता है। वह अपने कुल का नाम काफी ऊंचा करता है।

अस्पष्ट हस्ताक्षर

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर इस प्रकार से लिखता है, जो काफी अस्पष्ट होते हैं तथा जल्दी-जल्दी लिखे गए होते हैं वह व्यक्ति जीवन को सामान्य रूप से नहीं जी पाता, हर समय ऊंचाई पर पहुंचने की ललक लिए रहता है। इस प्रकार का व्यक्ति राजनीतिज्ञ, अपराधी, कूटनीतिज्ञ या बहुत बड़ा व्यापारी बनता है। जीवन आपाधापी में व्यतीत करने के कारण वह समाज से कटने लगता है तथा लोगों की उपेक्षा का शिकार भी बनता है। वह व्यक्तिगत रूप से पूर्ण सम्पन्न तथा इनका वैवाहिक जीवन कम सामान्य रहता है। वह धोखा दे सकता है, परंतु धोखा खा नहीं सकता है। यह इसकी विशेषता है।

काफी छोटे हस्ताक्षर

जो व्यक्ति हस्ताक्षर काफी छोटे व शब्दों को तोड़-मरोड़ कर उनके साथ खिलवाड़ करता है जिसके फलस्वरूप हस्ताक्षर बिल्कुल पढ़ने में नहीं आता है वह व्यक्ति बहुत ही चालाक होता है। अपने फायदे के लिए किसी का भी नुकसान करने व नुकसान पहुंचाने से नहीं चूकता। पैसा, धन भी गलत रास्ते से कमाता है। ऐसा व्यक्ति राजनीति एवं अपराध के क्षेत्र में काफी नाम कमाता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के नीचे दो लाइनें खींचता है, वह व्यक्ति भावुक होता है। पूरी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाता, मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर होता है। इसके जीवन में असुरक्षा की भावना रहती है। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर के शब्दों को काफी घुमाकर, सजाकर प्रदर्शित करके करता है वह व्यक्ति किसी न किसी हुनर का मालिक अवश्य होता है यानी कलाकार, गायक, पेंटर, व्यंग्यकार आदि। ऐसे व्यक्तियों का समय जीवन के उत्तरार्द्ध में अच्छा होता है।

हस्ताक्षर के नीचे एक बिंदू

जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर में नाम का पहला अक्षर सांकेतिक रूप से तथा उपनाम पूरा लिखता है तथा हस्ताक्षर के नीचे बिंदू लगाता है, ऐसा व्यक्ति भाग्य का धनी होता है। मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, समाज में पूर्ण सम्मान प्राप्त करता है। ईश्वरवादी होने के कारण इन्हें किसी भी प्रकार की लालसा नहीं सताती, इसके फलस्वरूप जो भी चाहता है स्वतः ही प्राप्त हो जाता है। वैवाहिक जीवन सुखी व संतानों से भी सुख प्राप्त होता है।

हस्ताक्षर के नीचे दो बिंदू

अपने हस्ताक्षर के अंतिम शब्द के नीचे दो बिंदू रखने वाला व्यक्ति विलक्षण प्रतिभा का धनी होता है। ऐसा व्यक्ति जिस क्षेत्र में जाता है काफी प्रसिद्धि प्राप्त करता है और ऐसे व्यक्ति से बड़े-बड़े लोग सहयोग लेने को उत्सुक रहते हैं। जो व्यक्ति अपने हस्ताक्षर स्पष्ट लिखते हैं तथा हस्ताक्षर के अंतिम शब्द की लाइन या मात्रा को इस प्रकार खींच देते हैं जो ऊपर की तरफ जाती हुई दिखाई देती है, ऐसे व्यक्ति शिक्षक , विद्वान, बहुत ही तेज दिमाग के होते हैं। ऐसे व्यक्ति दिल के बहुत साफ होते हैं, हरेक के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहते हैं। मिलनसार, मृदुभाषी, समाजसेवक, परोपकारी होते हैं। वे कभी किसी का बुरा नहीं सोचते, सामने वाला व्यक्ति कैसा भी क्यों न हो, हमेशा उसे सम्मान देते हैं। सर्वगुण सम्पन्न होने के बावजूद काफी पैसा व पूर्ण सम्मान प्राप्त होता है।

यह है अलग तरह का म्यूजिक...

ईडीएम यानी इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक एक अलग तरह का म्यूजिक है जो सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट के जरिए तैयार किया जाता है। ज्यादातर यह सिर्फ कंप्यूटर म्यूजिक सॉफ्टवेयर की मदद से ही संचालित किया जाता है। मौजूदा दौर में आउटडोर क्लबों में होने वाले आयोजन में यही म्यूजिक चलन में आता है।

लोगों की अभी यही धारणा है कि भारत में ईडीएम का प्रवेश अभी-अभी हुआ है। लेकिन हकीकत यह है कि संगीत की यह विधा बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है और भारत इस मायने में कहीं भी पीछे नहीं है। दुनिया के करीब 250 से ज्यादा विदेशी कलाकार वर्षभर में भारत का दौरा करते हैं। इस क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले जर्मन मूल के अमेरिकन संगीत निर्माता मार्कुस शुल्ज ने कुछ समय पहले मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली और पुणे में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे। तब उन्होंने कहा था भले ही मौजूदा दौर में बहुत ज्यादा क्लब नहीं हैं, लेकिन जिस तरह लोगों की रुचि इसमें बढ़ रही है उससे आयोजनों की भव्यता और बढ़ेगी। इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की बढ़ती लोकप्रियता ने बॉलीवुड संगीत सितारों को भी हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब सिर्फ बड़े शहरों तक नहीं रहा बल्कि अहमदाबाद, गुड़गांव, इंदौर, लखनऊ जैसे शहरों में भी देखने को मिल रहा है। यही वजह है कि बॉलीवुड सितारे भी अपने लाइव शो में ईडीएम को शामिल करने लगे हैं।

कुछ समय पहले इंदौर में पाकिस्तानी कलाकार आतिफ असलम ने डीजे चेतस के साथ मिलकर अपने छह हजार से ज्यादा प्रशंसकों के लिए ईडीएम की प्रस्तुति दी थी। एक ओर दिन रात इस तरह के म्यूजिक को चाहने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्हें संगीत का एक नया बेहतरीन अनुभव भी मिल रहा, वहीं इस म्यूजिक को जीतोड़ कर चाहने के कारण कुछ अपवाद वाली स्थितियां भी सामने आ रही हैं। मसलन, इस तरह के आयोजनों में पश्चिमी रंग ज्यादा होता है और इसमें पात्रता 18 वर्ष से ज्यादा उम्र के युवाओं की रहती है। तो इस तरह के आयोजन में ग्लैमर, ड्रग्स और कुछ ज्यादा ही छूट मिलती है। पिछले साल गोवा में ऐसे ही एक डीजे की मौत ड्रग्स की ज्यादा मात्रा लेने से हो गई थी। गुड़गांव में अमेरिकन युवा लेडी आर्टस्टि की मृत्यु भी ईडीएम में होने वाले तेज आवाज के शोर से हो गई थी। दिल्ली की फैशन डिजाइनर आंचल अरोड़ा की भी मौत ईडीएम आयोजन में दम घुटने से हो गई थी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**